13 मार्च 2026
शुक्रवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

सिविल न्यायालयों में परिचर-चपरासी भर्ती की प्रारंभिक परीक्षा 15 मार्च को, 16 केन्द्रों पर 8444 अभ्यर्थी होंगे शामिल

2

एक नजर

केवल इनकम के आधार पर ओबीसी क्रीमी लेयर का दर्जा नहीं

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के क्रीमी लेयर से जुड़े मुकदमे में अहम टिप्पणी की। दो जजों की खंडपीठ ने आज अपने फैसले में कहा कि आरक्षण के इस मामले में अभ्यर्थी के क्रीमी लेयर का निर्धारण केवल माता-पिता या अभिभावकों की सैलरी के आधार पर नहीं किया जा सका। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने अपने फैसले में सरकार की अपील को खारिज कर दिया। अदालत ने कहा कि क्रीमी लेयर दर्जा का निर्धारण करते समय माता-पिता या अभिभावकों के पदों और स्थिति को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए। बेंच ने केंद्र सरकार की उन अपीलों को खारिज कर दिया, जो हाई कोर्ट के फैसलों के खिलाफ थीं। कोर्ट ने उन यूपीएससी उम्मीदवारों को बड़ी राहत दी है, जिन्हें सिविल सेवा परीक्षा पास करने के बावजूद नौकरी नहीं दी गई थी। सरकार ने उनके माता-पिता की सैलरी को आधार मानकर उन्हें गलत तरीके से क्रीमी लेयर की श्रेणी में डाल दिया था।

होर्मुज जलडमरूमध्य बंद होने पर भारत चिंतित

नई दिल्ली। भारत ईरान के संपर्क में है, ताकि होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले भारतीय झंडे वाले करीब 28 व्यापारिक जहाजों को सुरक्षित मार्ग मिल सके। अमेरिका और इस्राइल के साथ जंग तेज होने के बाद ईरान ने इस रणनीतिक समुद्री मार्ग को आंशिक रूप से बंद कर दिया है। इस मामले से जुड़े लोगों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। विदेश मंत्रालय के अनुसार, मंगलवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर और उनके ईरानी समकक्ष के बीच बातचीत हुई, जिसमें जहाजों की सुरक्षा और भारत की ऊर्जा सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा हुई थी। जानकारी मिली है कि पिछले चार-पांच दिनों से ईरान ने किसी भी भारतीय झंडे वाले व्यावसायिक टैंकर को होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने की अनुमति नहीं दी है। पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, इस समय भारतीय झंडे वाले 24 जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य के पश्चिमी हिस्से में मौजूद हैं, जिन पर 677 भारतीय नाविक हैं। वहीं, चार जहाज, इस अहम समुद्री मार्ग के पूर्वी हिस्से में तैनात हैं, जिन पर 101 भारतीय नाविक हैं।

कठिन दौर से गुजर रही दुनिया, लेकिन भारत तेजी से आगे बढ़ रहा : पीएम मोदी

- भारत धीरे-धीरे पूरे विश्व के लिए एक केंद्र बिंदु बनता जा रहा है
- स्वतंत्रता आंदोलन जिसने देश के हर कोने के लोगों को आजादी के लक्ष्य के लिए एकजुट कर दिया था

एजेंसी। नई दिल्ली

नई दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि इस समय पूरी दुनिया कई तरह की चुनौतियों से गुजर रही है, लेकिन इन मुश्किल परिस्थितियों के बीच भी भारत तेजी और स्थिरता के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि आज दुनिया के कई बड़े नेता और विशेषज्ञ मानते हैं कि भारत धीरे-धीरे पूरे विश्व के लिए एक केंद्र बिंदु बनता जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में इतिहास का जिक्र करते हुए बताया कि 12 मार्च 1930 को महात्मा गांधी ने दांडी मार्च की शुरूआत साबरमती आश्रम से की थी। उन्होंने कहा कि यह भारत के स्वतंत्रता आंदोलन का एक बड़ा मोड़ था, जिसने देश के हर कोने के लोगों को आजादी के लक्ष्य के लिए एकजुट कर दिया था। पीएम मोदी ने कहा कि उस ऐतिहासिक यात्रा के लगभग 100 साल बाद आज भारत एक नई यात्रा पर निकला है। यह यात्रा एक विकसित भारत बनाने की है। उन्होंने कहा कि आज पूरे देश का लक्ष्य और मंजिल एक ही है, भारत को विकसित राष्ट्र बनाना। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि इस समय दुनिया में कई तरह के संकट चल रहे हैं। वैश्विक सप्लाई चेन फिर से प्रभावित हो रही हैं और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी परिस्थितियों में भी भारत मजबूती के साथ आगे बढ़ रहा है और अपनी अर्थव्यवस्था तथा विकास को लगातार मजबूत कर रहा है। उन्होंने कहा कि आज इतिहास के एक महत्वपूर्ण मोड़ पर दुनिया खड़ी है और इस समय जिस देश की सबसे ज्यादा चर्चा हो रही है, वह भारत है। उन्होंने कहा कि कई वैश्विक नेता और विशेषज्ञ भारत से बड़ी उम्मीदें लगा रहे हैं।

ग्लोबल साउथ के देश तय करेंगे दुनिया की दिशा

प्रधानमंत्री ने उदाहरण देते हुए बताया कि हाल ही में अलेक्जेंडर स्टब, भारत आए थे। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में दुनिया की दिशा ग्लोबल साउथ के देश तय करेंगे और उस दिशा को तय करने में भारत की भूमिका सबसे बड़ी होगी। पीएम मोदी ने कहा कि भारत आज सिर्फ अपने विकास की बात नहीं कर रहा, बल्कि वह पूरी दुनिया के लिए नई संभावनाएं और नए अवसर भी पैदा कर रहा है। इसी कारण आज वैश्विक मंचों पर भारत की भूमिका पहले से कहीं ज्यादा मजबूत और महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

फारूक अब्दुल्ला पर फायरिंग, बाल-बाल बचे

एजेंसी/जम्मू

जम्मू में नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला फारुक अब्दुल्ला पर हुई हत्या की कोशिश के बाद राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। घटना को लेकर एक तरफ सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं, वहीं विभिन्न राजनीतिक दलों ने इसकी कड़ी निंदा की है। इस बीच, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी फारूक अब्दुल्ला से फोन पर बात कर उनका हालचाल जाना और मामले की सख्त जांच का भरोसा दिलाया है। फारूक अब्दुल्ला ने गुरुवार को मीडिया से बातचीत में बताया कि जब वे शादी समारोह से बाहर निकल रहे थे, तभी अचानक पटाखे जैसी आवाज सुनाई दी। उन्होंने कहा कि मैं बाहर निकल रहा था तभी आवाज आई. तुरंत मुझे कार में बैठाकर वहां से ले जाया गया। बाद में बताया गया कि एक व्यक्ति पिस्तौल लेकर आया था और उसने दो गोलियां चलाईं। उन्होंने यह भी कहा कि वे आरोपी को नहीं जानते और न ही उसके बारे में उन्हें कोई जानकारी है। पूर्व मुख्यमंत्री ने अपनी सुरक्षा में तैनात नेशनल सिक्योरिटी गार्ड और स्थानीय पुलिस के जवानों की सराहना करते हुए कहा कि उनकी फुर्ती की वजह से बड़ा हादसा टल गय। उन्होंने कहा कि अल्लाह की कृपा से मेरी सुरक्षा मेरे साथ थी और मेरी जान बच गई। जवानों ने मेरी रक्षा के लिए जो किया, उसके लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं।

केंद्र ने राज्यों के लिए भी बनाया स्पेशल प्लान

रसोई गैस की कोई कमी नहीं, ढाई दिन में एलएनजी की होगी डिलीवरी : पेट्रोलियम मंत्री

- राज्यों को पीडीएस के तहत अतिरिक्त केरोसिन भी जारी किया गया

एजेंसी। नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और देश के कुछ हिस्सों से रसोई गैस की किल्लत की खबरों के बीच केंद्र सरकार ने ऊर्जा आपूर्ति को लेकर एहतियाती कदम उठाए हैं। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने राज्यों को अतिरिक्त 48 हजार किलोलीटर केरोसिन जारी करने का आदेश दिया है।आमतौर पर सरकारी तेल कंपनियां हर तिमाही राज्यों को करीब एक लाख किलोलीटर केरोसिन का कोटा जारी करती हैं, लेकिन मौजूदा हालात को देखते हुए यह अतिरिक्त आवंटन किया गया है। साथ ही कोयला मंत्रालय ने सरकारी कंपनियों कोल इंडिया व सिंगारेनी कोयलिरीज कंपनी को निर्देश दिया है कि वे राज्यों को जरूरत के अनुसार अतिरिक्त कोयला उपलब्ध कराएं ताकि गैर-घरेलू उपभोक्ताओं जैसे होटल, रेस्टोरेंट आदि को कोयला को बतौर ईंधन दिया जा सके। उक्त जानकारी पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने संसद में पश्चिम एशिया संकट की वजह से वैश्विक इनर्जी आपूर्ति के बाधित होने की स्थिति सरकार की तरफ से उठाए जाने वाले कदमों की जानकारी देते हुए दी। पेट्रोलियम मंत्री पुरी ने संसद में कहा कि देश में पेट्रोलियम उत्पादों की कोई कमी नहीं है और आपूर्ति व्यवस्था सामान्य रूप से काम कर रही है। उन्होंने आश्वस्त किया कि पेट्रोल, डीजल, केरोसिन, एटीएफ और फ्यूल ऑयल की कोई कमी नहीं है। देशभर के रिटेल आउटलेट्स पर पर्याप्त भंडार उपलब्ध है और इन उत्पादों की आपूर्ति श्रृंखला सामान्य रूप से चल रही है। राज्यों को पीडीएस के तहत अतिरिक्त केरोसिन भी जारी किया गया है।

ईंधनों पर दबाव कम

'बाद में पेट्रोलियम मंत्रालय की तरफ से अलग से उपरोक्त कदमों की जानकारी दी गई। मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि केंद्रीय वन व पर्यावरण मंत्रालय ने राज्यों के प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों से भी कहा है कि वे गैर-आवासीय क्षेत्रों में जरूरत पड़ने पर कोयला, बायोमास और केरोसिन को ईंधन के रूप में उपयोग की अनुमति दें। इससे वैकल्पिक ऊर्जा स्त्रोतों का इस्तेमाल बढ़ाकर गैस और अन्य ईंधनों पर दबाव कम किया जा सकेगा। अभी प्रदूषण नियमों की वजह से कोयला व बायोमास का आम तौर पर इस्तेमाल प्रतिबंधित है।

एलएनजी कार्गो रोजाना पहुंच रहे

पुरी ने बताया कि सरकार ने गैस आपूर्ति को प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की ओर मोड़ते हुए वैकल्पिक स्त्रोतों से आपूर्ति सुनिश्चित की है। उन्होंने कहा, 'रिफाइनरी और पेट्रोकेमिकल इकाइयों में गैस खपत में नियंत्रित कमी की गई है ताकि गैस को प्राथमिक क्षेत्रों में उपलब्ध कराया जा सके। वैकल्पिक मार्गों से बड़े एलएनजी कार्गो लगभग रोजाना पहुंच रहे हैं, जिससे संभावित लंबा संघर्ष होने की स्थिति में भी गैस आपूर्ति बनाए रखने की व्यवस्था है।' उन्होंने कहा कि सरकार की पहली प्राथमिकता देश के 33 करोड़ से अधिक परिवारों की रसोई तक ईंधन की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करना है। घरेलू एलपीजी सिलेंडर की बुकिंग से डिलीवरी तक का औसत समय 2.5 दिन बना हुआ है और इसमें कोई बदलाव नहीं हुआ है।

ईरान के सुप्रीम लीडर का एलान खाड़ी देशों पर जारी रहेंगे हमले

एजेंसी। नई दिल्ली

ईरान के सुप्रीम लीडर का पद संभालने के बाद अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई ने पहला बयान जारी किया है। ईरान के सरकारी टीवी पर उनका बयान टेलीकास्ट किया गया। हालांकि खामेनेई कैमरे के सामने नहीं आए। ईरान के नये सुप्रीम लीडर ने कहा- जंग में मारे गए लोगों का बदला लेंगे। उन्होंने अमेरिका को टारगेट करते हुए कहा- ईरान अपने दुश्मन से मुआवजा वसूलेगा। उन्होंने कहा कि अगर वह इनकार करता है, तो ईरान उसकी संपत्तियों से वसूली करेगा या उन्हें उसी हद तक नष्ट कर देगा। ईरान, इजराइल और अमेरिका से रणनीति के आधार पर युद्ध जीतना चाहता है। इसके लिए ईरान वैश्विक स्तर पर आर्थिक नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रहा है, जिससे अमेरिका और इजराइल पर बमबारी रोकने का दबाव पड़े। ईरान के राष्ट्रपति ने कहा कि जब तक ईरान को किसी अन्य हमले के खिलाफ सुरक्षा गारंटी नहीं मिल जाती, तब तक उसके हमले जारी रहेंगें। उनके बयान के बाद यह संकेत मिलता है कि युद्धविराम या अमेरिका द्वारा जीत की घोषणा के बावजूद संघर्ष रुकेगा नहीं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया था कि वो जब भी चाहेंगे जंग को खत्म करवा सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा था कि ईरान पर अब कुछ भी टारगेट नहीं बचा है।

देश में एलपीजी की किल्लत इंडक्शन की मांग बढ़

नई दिल्ली । देश में एलपीजी की उपलब्धता की बढ़ती चिंता के बीच की ऑनलाइन शॉपिग प्लेटफॉर्म पर इंडक्शन की मांग अचानक बढ़ गई है। कई ई-कॉमर्स साइट्स पर ये प्रोडक्ट आउट ऑफ स्टॉक हो गया है। अमेजन, फ्लिपकार्ट और ब्लिंकिट जैसे प्लेटफॉर्म पर इंडक्शन के स्टॉक में खासी कमी देखने को मिल रही है। ब्लिंकिट पर तो लगभग सभी मॉडल आउट ऑफ स्टॉक दिख रहे हैं, जबकि अमेजन और फ्लिपकार्ट पर भी कुछ ही ब्रांड मिल रहे हैं। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव और गैस सप्लाई पर असर के कारण कई शहरों में लोग एलपीजी सिलेंडर न मिलने से परेशान हैं। इसी वजह से बैकअप के तौर पर इंडक्शन कुकटॉप खरीद रहे हैं।भारत में आमतौर पर इंडक्शन की कीमत 1300 से 2000 से शुरू होती हैं।

तपने लगा उत्तर भारत में लू की गंभीर स्थिति, गर्मी ने तोड़े रिकॉर्ड

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत के कई हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक रहा। गुजरात के सौराष्ट्र और कच्छ क्षेत्रों तथा महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र के कुछ इलाकों मंष लू से लेकर भीषण लू तक की स्थिति बनी रही। वहीं, दिल्ली, हरियाणा और चंडीगढ़ के अधिकांश स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य से काफी अधिक (5.1 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक) दर्ज किया गया। मौसम विज्ञान विभाग (आइएमडी) के अनुसार, पश्चिमी और पूर्वी राजस्थान, पंजाब के कई स्थानों, पूर्वी और पश्चिमी उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, पूर्वी और पश्चिमी मध्य प्रदेश, कोंकण और गोवा, विदर्भ और छत्तीसगढ़ में भी अधिकतम तापमान सामान्य से काफी अधिक रहा। 28 फरवरी को जारी अपने मासिक पूर्वानुमान में आइएमडी ने कहा था कि मार्च से मई के बीच देश के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से अधिक लू चलने की संभावना है। अहमदाबाद और गांधीनगर में भीषण गर्मी की लहर चली, जहां बुधवार को अधिकतम तापमान सामान्य से क्रमशः 7.2 डिग्री सेल्सियस और 6.4 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। गुजरात के कुछ हिस्सों में 13 मार्च तक ऐसी ही स्थिति बनी रहेगी।

राज्य स्तरीय टीएलएम मेले में बक्सर के शिक्षकों का शानदार प्रदर्शन

- **उर्दू शिक्षक मोहम्मद मुमताज अली को तृतीय स्थान, श्वेता पांडे को अंग्रेजी विषय में सांत्वना पुरस्कार**

केटी न्यूज/डुमरांवः

राज्य स्तरीय टीएलएम (टीचिंग लर्निंग मैटेरियल) मेले में बक्सर जिले के शिक्षकों ने अपने नवाचारी शिक्षण सामग्री और प्रभावी प्रस्तुति के माध्यम से जिले का नाम रोशन किया है। मेले में जिले के दो शिक्षकों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सम्मान प्राप्त किया, जिससे शिक्षा जगत में खुशी की लहर है। उर्दू मध्य विद्यालय नवानगर के शिक्षक मोहम्मद मुमताज अली ने उर्दू विषय के अंतर्गत अपनी नवाचारी टीएलएम प्रस्तुति के जरिए निर्णायकों को प्रभावित करते हुए तृतीय स्थान हासिल किया। उनकी प्रस्तुति में शिक्षण को सरल, रोचक और प्रभावी बनाने के लिए तैयार किए गए शिक्षण उपकरणों की सराहना की गई। उनकी इस उपलब्धि से न केवल विद्यालय बल्कि पूरे जिले का गौरव बढ़ा है। वहीं दूसरी

ओर, श्वेता पांडे ने अंग्रेजी विषय में अपने शिक्षण मॉडल और प्रस्तुति के माध्यम से सराहनीय प्रदर्शन किया। उनके प्रयासों को देखते हुए निर्णायक मंडल ने उन्हें सांत्वना पुरस्कार से सम्मानित किया। शिक्षण को अधिक व्यवहारिक और विद्यार्थियों के लिए सहज बनाने की उनकी पहल को भी खूब सराहा गया। राज्य स्तर पर आयोजित इस मेले में विभिन्न जिलों के शिक्षकों ने अपनी-अपनी नवाचारी शिक्षण सामग्री और शिक्षण पद्धति का प्रदर्शन किया। ऐसे आयोजनों का उद्देश्य शिक्षकों के बीच नवाचार को बढ़ावा देना और विद्यार्थियों के लिए शिक्षा को अधिक प्रभावी व रोचक बनाना है। बक्सर जिले के शिक्षकों की इस उपलब्धि ने यह साबित कर दिया है कि यहां के शिक्षक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ नवाचार के क्षेत्र में भी निरंतर बेहतर कार्य कर रहे हैं। उनकी मेहनत और समर्पण का परिणाम ही है कि जिले को राज्य स्तर पर पहचान मिल रही है। जिला प्रशासन एवं शिक्षा विभाग, बक्सर ने दोनों शिक्षकों को इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई दी है। अधिकारियों ने उम्मीद जताई कि भविष्य में भी जिले के शिक्षक इसी तरह उत्कृष्ट प्रदर्शन कर शिक्षा के क्षेत्र में नई मिसाल कायम करेंगे।

सिविल न्यायालयों में परिचर-चपरासी भर्ती की प्रारंभिक परीक्षा 15 मार्च को, 16 केन्द्रों पर 8444 अभ्यर्थी होंगे शामिल

- **डीएम-एसपी ने दंडाधिकारियों व पुलिस पदाधिकारियों को दी ब्रीफिंग, कदाचारमुक्त व शांतिपूर्ण परीक्षा कराने के निर्देश**

केटी न्यूज/बक्सर

सिविल न्यायालयों में परिचर-चपरासी (सामान्य $ आदेशपाल) पद पर नियुक्ति हेतु विज्ञापन संख्या 04/2022 के अंतर्गत आयोजित होने वाली प्रारंभिक परीक्षा को स्वच्छ, शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त ढंग से संपन्न कराने को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय हो गया है। इसी क्रम में जिलाधिकारी साहिला तथा पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य ने समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों, पुलिस पदाधिकारियों एवं संबंधित अधिकारियों के साथ संयुक्त रूप से बैठक कर विस्तृत ब्रीफिंग दी। बैठक में अधिकारियों को परीक्षा के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने तथा कदाचार की किसी भी संभावना को समाप्त करने के लिए आवश्यक

दिशा-निर्देश दिए गए। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि परीक्षा की निष्पक्षता और पारदर्शिता सुनिश्चित करना सर्वोच्च प्राथमिकता है।

दो पालियों में होगी परीक्षा

जिला प्रशासन के अनुसार 15 मार्च 2026 को यह प्रारंभिक परीक्षा दो पालियों में आयोजित की जाएगी। पहली पाली की परीक्षा पूर्वाह्न 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक तथा दूसरी पाली की परीक्षा दोपहर 2 बजे से शाम 4 बजे तक आयोजित होगी। बक्सर जिले में कुल 16 परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं, जहां कुल 8444 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होंगे। परीक्षा के सफल संचालन के लिए प्रत्येक केन्द्र पर एक स्थायी दंडाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की गई है। इनके साथ पुलिस पदाधिकारी और पर्याप्त पुलिस बल भी तैनात रहेंगे। दंडाधिकारी परीक्षा केन्द्रों पर लगातार भ्रमण करते हुए यह सुनिश्चित करेंगे कि परीक्षा शांतिपूर्ण और कदाचारमुक्त तरीके से संपन्न हो। सभी स्थायी दंडाधिकारी को परीक्षा प्रारंभ होने से कम से कम दो घंटे पूर्व अपने-अपने केन्द्रों पर उपस्थित रहने का निर्देश दिया गया है।

अभ्यर्थियों की कड़ी जांच के बाद ही प्रवेश

परीक्षा केन्द्रों में प्रवेश से पूर्व सभी अभ्यर्थियों की सघन शारीरिक जांच कराई जाएगी। इस दौरान यह सुनिश्चित किया जाएगा कि अभ्यर्थियों के पास किसी भी प्रकार की लिखित सामग्री, प्रवेश पत्र पर कोई अतिरिक्त लेखन, सादा कागज, क्लिप बोर्ड, गणना यंत्र, मोबाइल फोन, ब्लूटूथ उपकरण, डिजिटल डायरी, पॉकेट कंप्यूटर अथवा कोई अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण न हो। जांच प्रक्रिया के दौरान पुलिस बल की मौजूदगी अनिवार्य रहेगी। महिला अभ्यर्थियों की जांच महिला पुलिस कर्मियों द्वारा की जाएगी। इसके अतिरिक्त धातु जांच उपकरणों का भी उपयोग किया जाएगा, ताकि किसी भी प्रकार की अनुचित सामग्री परीक्षा कक्ष तक न पहुंच सके।

निरीक्षकों की तैनाती यादृच्छिक तरीके से

प्रशासन ने निर्देश दिया है कि प्रत्येक परीक्षा केन्द्र में कक्षवार निरीक्षकों की तैनाती केन्द्राधीक्षक द्वारा यादृच्छिक तरीके से की जाएगी। यह प्रक्रिया स्थायी दंडाधिकारी की उपस्थिति में होगी, जिससे परीक्षा संचालन में पारदर्शिता बनी रहे।

परीक्षा केन्द्रों के भीतर अभ्यर्थियों के पास बैग, मोबाइल फोन, पर्स, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, किसी भी प्रकार की घड़ी, स्मार्ट घड़ी, गणना यंत्र या पेजर जैसी प्रतिबंधित सामग्री पाए जाने पर संबंधित निरीक्षक, केन्द्राधीक्षक तथा तैनात दंडाधिकारी और पुलिस पदाधिकारी के विरुद्ध भी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

केन्द्रों पर निगरानी और नियंत्रण कक्ष सक्रिय

परीक्षा केन्द्रों पर निगरानी को मजबूत बनाने के लिए केन्द्राधीक्षकों को निर्देश दिया गया है कि केन्द्र के बाहर तथा आवश्यक स्थानों पर सूचना पट्ट लगाकर यह प्रदर्शित किया जाए कि परिसर में निगरानी कैमरों की निगरानी जारी है। परीक्षा के सुव्यवस्थित संचालन के लिए जिला नियंत्रण कक्ष समाहरणालय परिसर स्थित जिला आपदा शाखा भवन में स्थापित किया गया है। इस नियंत्रण कक्ष का दूरभाष संख्या 06183-223333 है। नियंत्रण कक्ष की जिम्मेदारी सहायक निदेशक, जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग निखिल कुमार को सौंपी गई है।

रेलवे स्टेशन और बस अड्डे पर भी तैनात रहेंगे अधिकारी

परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों की सुविधा और मार्गदर्शन के लिए बक्सर रेलवे स्टेशन तथा बस अड्डे पर भी दंडाधिकारी और अधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की जाएगी। इससे बाहर से आने वाले परीक्षार्थियों को परीक्षा केन्द्र तक पहुंचने में सहायता मिलेगी। इसके साथ ही होटल, लॉज और अन्य ठहरने के स्थानों पर भी निगरानी रखने का निर्देश दिया गया है, ताकि किसी भी प्रकार की फर्जी अभ्यर्थी व्यवस्था या प्रतिरूपण की घटना को रोका जा सके। इस कार्य की निगरानी संबंधित थाना प्रभारी तथा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी करेंगे।

यातायात, बिजली और स्वास्थ्य व्यवस्था के भी निर्देश

परीक्षा के दिन शहर में यातायात सुचारू रूप से संचालित हो, इसके लिए अनुमंडल पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी और यातायात पुलिस को आवश्यक व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया है, ताकि कहीं भी जाम की स्थिति उत्पन्न न हो।

बक्सर में एसडीआरएफ टीम की स्थाई प्रतिनियुक्ति, आपदा के समय राहत-बचाव कार्य होंगे तेज

केटी न्यूज/बक्सर

जिले में आपदा की स्थिति में त्वरित राहत एवं बचाव कार्य को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की टीम की स्थाई प्रतिनियुक्ति कर दी गई है। आपदा प्रबंधन विभाग के निर्देश पर गुरुवार को बक्सर जिले में एसडीआरएफ टीम की तैनाती की गई। प्रशासनिक अधिकारियों ने इसे जिलेवासियों के लिए महत्वपूर्ण कदम बताया है। जानकारी के अनुसार, छह मार्च को आयोजित बैठक में जिले में एसडीआरएफ टीम को स्थाई रूप से प्रतिनियुक्त करने की मांग की गई थी। बैठक की कार्यवाही के आलोक में आपदा प्रबंधन विभाग को प्रस्ताव भेजा गया था। विभागीय पत्र प्राप्त होने के बाद गुरुवार को बक्सर जिले में एसडीआरएफ टीम की प्रतिनियुक्ति कर दी गई। प्रशासन ने बताया कि प्रतिनियुक्त एसडीआरएफ टीम जिला पदाधिकारी के दिशा-निर्देशों के तहत आपदा की स्थिति में राहत एवं बचाव कार्यों को तेजी से संचालित करेगी। इससे बाढ़, नदी दुर्घटनाओं तथा अन्य आपात स्थितियों में तत्काल कार्रवाई संभव हो सकेगी। आगामी प्रमुख त्योहारों को देखते हुए एसडीआरएफ टीम को रामरेखा घाट, नाथ बाबा घाट सहित अन्य प्रमुख घाटों पर भी तैनात किया जाएगा। प्रशासन का मानना है कि इससे पर्व-त्योहारों के दौरान घाटों पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होगी और किसी भी आपदा की स्थिति में त्वरित राहत कार्य संभव हो सकेगा। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, गृह रक्षा वाहिनी के प्रशिक्षण समाप्त होने के बाद उक्त स्थल पर एसडीआरएफ टीम के लिए स्थाई आवासन की व्यवस्था भी निर्धारित कर दी गई है। गुरुवार को अपर समाहर्ता तथा प्रखंड विकास पदाधिकारी बक्सर द्वारा उक्त स्थल का निरीक्षण कर आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। जिला प्रशासन का कहना है कि आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए एसडीआरएफ टीम की स्थाई प्रतिनियुक्ति करना जिलेवासियों के लिए राहत भरी खबर है। इससे भविष्य में किसी भी आपदा के समय बचाव एवं राहत कार्यों को और अधिक प्रभावी ढंग से संचालित किया जा सके।

डुमरांव पीएचसी में 17,18 मार्च को लगेगा दिव्यांग पहचान पत्र शिविर

- **लंबित 2220 आवेदनों का होगा निपटारा, सरकारी योजनाओं के लाभ के लिए जरूरी है विशिष्ट पहचान पत्र**

केटी न्यूज/बक्सर

जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण कोषांग की ओर से दिव्यांगजनों को विशिष्ट पहचान पत्र उपलब्ध कराने के उद्देश्य से डुमरांव प्रखंड में दो दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर 17 और 18 मार्च को डुमरांव प्रखंड के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में आयोजित होगा। शिविर का समय सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक निर्धारित किया गया है।

प्रशासन से प्राप्त जानकारी के अनुसार केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए विशिष्ट पहचान पत्र (यूडीआईडी) एक महत्वपूर्ण और एकल दस्तावेज के रूप में मान्य है। इसके बावजूद जिले में अभी भी कई दिव्यांगजन इस सुविधा से वंचित हैं। यूडीआईडी पोर्टल के आंकड़ों के अनुसार बक्सर जिले में अब तक 17,136 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 14,448 दिव्यांगजनों को ही पहचान पत्र जारी किया जा सका है, जबकि 2220 आवेदन अभी भी लंबित हैं।

जिला प्रशासन ने बताया कि प्रस्तावित शिविर में इन लंबित आवेदनों का निपटारा करने के साथ ही शिविर में आने वाले नए दिव्यांगजनों के आवेदन भी स्वीकार कर उनका पंजीकरण किया जाएगा। शिविर में ऑफलाइन प्रमाणीकृत आवेदन पत्रों के साथ-साथ नए आवेदनों का भी पंजीकरण कर विशिष्ट पहचान पत्र जारी करने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

शिविर के सफल संचालन के लिए डुमरांव के प्रखंड विकास पदाधिकारी को नोडल पदाधिकारी बनाया गया है। उन्हें निर्देश दिया गया है कि वे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी के साथ समन्वय कर शिविर से पूर्व सभी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करें। इसके अलावा बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी, मुखिया, वार्ड सदस्य, पंचायत सचिव, विकास मित्र, जीविका समूह के प्रबंधक, ब्लॉक संसाधन केंद्र के पदाधिकारी, समुदाय स्तरीय समन्वयक, सेविकाएं और आशा कार्यकर्ताओं के सहयोग से दिव्यांगजनों का सर्वेक्षण कर शिविर में उनकी उपस्थिति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है।

शिविर के प्रचार-प्रसार के लिए फ्लेक्स, बैनर, नुक्कड़ नाटक और ध्वनि विस्तारक यंत्र के माध्यम से माइकिंग की व्यवस्था की जाएगी। साथ ही दिव्यांगजनों के लिए नाश्ता, पेयजल और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

सिविल सर्जन को निर्देश दिया गया है कि वे विशेषज्ञ चिकित्सकों और चिकित्सा बोर्ड की प्रतिनियुक्ति सुनिश्चित करें, ताकि दिव्यांगजनों के प्रमाण पत्रों का सत्यापन कर आवश्यक दस्तावेजों के आधार पर शिविर में ही उनका पंजीकरण कर विशिष्ट पहचान पत्र जारी किया जा सके।

जिला प्रशासन ने दिव्यांगजनों से अपील की है कि वे अपने आवश्यक दस्तावेजों के साथ निर्धारित तिथि पर शिविर में पहुंचकर इस सुविधा का लाभ उठाएं।

डुमरांव के आवासीय विद्यालय से रहस्यमय ढंग से गायब हुए दो मासूम, प्रबंधन पर उठ रहा है सवाल, जांच में जुटी पुलिस

केटी न्यूज/डुमरांव

बच्चा चोरी की अफवाहों के बीच डुमरांव के हरिजी के हाता स्थित आवासीय बाल शिक्षा निकेतन नामकआवासीय विद्यालय से दो मासूम रहस्यमय ढंग से गायब हो गए है। इस मामले में विद्यालय संचालक ने स्थानीय पुलिस से गुहार लगाई है। हालांकि, बच्चों के गायब होने पर आवासीय विद्यालय प्रबंधन की भूमिका व कार्यशैली पर सवाल खड़े होने लगे है। जानकारी के अनुसार उक्त आवासीय विद्यालय से चक्की निवासी वशिष्ठ कुमार यादव का 11 वर्षीय पुत्र विवेक कुमार तथा औद्योगिक थाना क्षेत्र के धनजी चौहान का पुत्र रौशन कुमार मंगलवार व बुधवार की दरम्यानी रात रहस्यमय ढंग से गायब हो गए है। खास यह कि होली की छुट्टी के बाद मंगलवार को ही बच्चे अपने गांव से आए थे तथा रात में खाना खाकर सोने चले गए थे। प्रबंधन का कहना है कि रात 11 बजे से चार बजे के बीच बच्चे गायब हुए है। जबकि हॉस्टल पूरी तरह से बंद मकान में है तथा जाहिर है कि रात में मुख्य गेट में ताला बंद किया गया होगा, बावजूद मासूम कैसे हॉस्टल से बाहर निकले। यही नहीं प्रबंधन द्वारा सुरक्षा के लिहाज से सीसीटीवी कैमरे भी नहीं लगाए गए है। हालांकि, प्रबंधन कहना है कि हास्टल की चाहरदीवारी छोटी है, संभवतः बच्चे दीवाल फांदकर ही भागे है।

इस संबंध में थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा ने बताया कि बच्चे हॉस्टल से भाग गए है, हालांकि भागने के बाद वे अपने घर नहीं पहुंचे है। जिससे उनके परिजनों की चिंता भी बढ़ गई है। परिजन कई तरह की

एक नजर

महाविद्यालय में अनुशासन सुदृढ़ करने को प्रॉक्टोरियल बोर्ड का गठन

बक्सर। महर्षि विश्वामित्र महाविद्यालय, बक्सर में परिसर के शैक्षणिक वातावरण को बेहतर और अनुशासित बनाने के उद्देश्य से प्रॉक्टोरियल बोर्ड (अनुशासनात्मक समिति) का गठन किया गया है। इस संबंध में महाविद्यालय प्रशासन की ओर से कार्यालय आदेश जारी कर इसकी जानकारी दी गई है। जारी आदेश के अनुसार महाविद्यालय में अध्ययनरत सभी छात्र-छात्राओं को संस्थान के नियमों का कड़ाई से पालन करने तथा परिसर में अनुशासित व्यवहार बनाए रखने का निर्देश दिया गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सकारात्मक शैक्षणिक माहौल के लिए अनुशासन अत्यंत आवश्यक है। इसी को ध्यान में रखते हुए प्रॉक्टोरियल बोर्ड का गठन किया गया है, जो महाविद्यालय परिसर में अनुशासन व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। गठित प्रॉक्टोरियल बोर्ड में स्नातकोत्तर मनोविज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. सुजीत कुमार यादव को सचिव बनाया गया है। वहीं अर्थशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. अमृता कुमारी तथा स्नातकोत्तर इतिहास विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. नवीन शंकर पाठक को समिति का सदस्य नामित किया गया है। यह समिति परिसर में छात्र-छात्राओं की गतिविधियों पर नजर रखेगी तथा आवश्यकता पड़ने पर अनुशासन बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम भी उठाएगी। महाविद्यालय प्रशासन के अनुसार समिति का मुख्य उद्देश्य परिसर में अनुशासन बनाए रखना, शैक्षणिक गतिविधियों को सुचारु रूप से संचालित करना तथा छात्र-छात्राओं को पढ़ाई के लिए बेहतर वातावरण उपलब्ध कराना है। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रधानाचार्य प्रो. (डॉ.) कृष्णा कान्त सिंह ने कहा कि किसी भी शिक्षण संस्थान की प्रगति के लिए अनुशासन और सकारात्मक माहौल बेहद जरूरी होता है। उन्होंने कहा कि प्रॉक्टोरियल बोर्ड के गठन से परिसर में अनुशासन व्यवस्था और मजबूत होगी तथा छात्र-छात्राएं पढ़ाई पर बेहतर ढंग से ध्यान केंद्रित कर सकेंगे। उन्होंने सभी छात्र-छात्राओं से महाविद्यालय के नियमों का पालन करने और अनुशासन बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करने की अपील

फरार शराब तस्कर गिरफ्तार

डुमरांव। डुमरांव पुलिस ने थाना क्षेत्र के महरौरा गांव से फरार चल रहे एक शराब तस्कर को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार तस्कर की पहचान स्थानीय गांव निवासी बाबूधन राय के रूप में की गई है। थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा ने बताया कि फरवरी महीने में बन्हेजी डेरा के पास से पुलिस ने एक बाइक पर लदी शराब को बरामद किया था। इस मामले में बाबूधन को चिन्हित किया गया था, लेकिन वह फरार चल रहा था। गुप्त सूचना मिली थी कि वह अपने गांव आया हुआ है। इस सूचना पर एक टीम गठित कर छापेमारी करवाई गई। छापेमारी में पुलिस ने उसे पकड़ लिया। थानाध्यक्ष ने बताया कि आवश्यक पूछताछ के बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेजने की तैयारी की जा रही है।

डीएम साहिला ने की लोक शिकायतों की सुनवाई, आठ मामलों का किया निष्पादन

बक्सर। जिला पदाधिकारी साहिला द्वारा गुरुवार को समाहरणालय परिसर स्थित कार्यालय कक्ष में लोक शिकायतों की द्वितीय अपील की सुनवाई की गई। यह सुनवाई प्रत्यक्ष रूप से तथा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न विभागों से जुड़े कुल 12 मामलों पर विचार किया गया।

सुनवाई के दौरान प्राप्त मामलों में 11 मामले लोक शिकायत अधिकार निवारण अधिनियम से संबंधित थे, जबकि एक मामला सेवा शिकायत अपील से जुड़ा था। जिला पदाधिकारी ने सभी मामलों की क्रमवार समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों से विस्तृत जानकारी ली तथा आवश्यक निर्देश दिए। लोक शिकायत अधिकार निवारण से संबंधित 11 मामलों में से 6 मामलों का मौके पर ही निष्पादन कर दिया गया। वहीं सेवा शिकायत अपील से संबंधित एकमात्र मामले का भी जिला पदाधिकारी द्वारा समाधान कर दिया गया। इस प्रकार कुल सात मामलों का निष्पादन करते हुए शेष मामलों में संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

सुनवाई के दौरान जिला पदाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि लोक शिकायतों का त्वरित एवं पारदर्शी तरीके से समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि आम नागरिकों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि लोक शिकायत निवारण व्यवस्था का उद्देश्य आम जनता को न्याय दिलाना है, इसलिए सभी विभागीय अधिकारी इस दिशा में गंभीरता से कार्य करें।

इस अवसर पर स्थापना उप समाहर्ता बक्सर, कार्यपालक अभियंता लोक स्वास्थ्य प्रमंडल बक्सर, जिला शिक्षा पदाधिकारी बक्सर, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (स्थापना एवं लेखा) बक्सर तथा अंचलाधिकारी इटाढ़ी उपस्थित रहे। वहीं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अनुमंडल पदाधिकारी बक्सर, अनुमंडल पदाधिकारी डुमरांव और कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद बक्सर भी सुनवाई में शामिल हुए।

बुनियाद केंद्रों में कॉमन सर्विस सेंटर सेवाओं की शुरूआत, अब मिलेंगी विभिन्न ऑनलाइन सुविधाएं

केटी न्यूज/बक्सर

जिले के बुनियाद केंद्रों को आम नागरिकों के लिए और अधिक उपयोगी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए विभागीय सचिव वंदना प्रेयसी ने बक्सर एवं डुमरांव स्थित बुनियाद केंद्र परिसर में कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) की सेवाओं का उद्घाटन किया। इस पहल के बाद अब बुनियाद केंद्र एकीकृत सेवा प्रदाता केंद्र के रूप में कार्य करेंगे, जहां आने वाले लाभार्थियों को विभिन्न सरकारी एवं ऑनलाइन सेवाओं का लाभ एक ही स्थान पर मिल सकेगा। उद्घाटन के अवसर पर विभागीय सचिव ने कहा कि सरकार का उद्देश्य है कि आम लोगों को सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ आसानी से उपलब्ध हो। इसी दिशा में बुनियाद केंद्रों को कॉमन सर्विस सेंटर से जोड़ते हुए उन्हें बहुउद्देशीय सेवा केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है, ताकि ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के लोगों को दूर-दराज के कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। इस नई व्यवस्था के तहत समाज कल्याण विभाग से जुड़ी विभिन्न ऑनलाइन सेवाएं, जीवन प्रमाणीकरण, पेंशन से संबंधित सेवाएं तथा अन्य कई प्रकार की डिजिटल सुविधाएं अब बुनियाद केंद्रों के माध्यम से उपलब्ध कराई जाएंगी। अब तक ये सेवाएं मुख्य रूप से सामान्य सेवा केंद्र यानी वसुधा केंद्रों के माध्यम से ही मिलती थीं, लेकिन बुनियाद केंद्रों में इन सेवाओं की शुरूआत होने से लाभार्थियों को बड़ी राहत मिलेगी। अधिकारियों ने बताया कि इस पहल से विशेष रूप से बुजुर्गों, दिव्यांगजनों तथा पेंशनधारियों को काफी सुविधा होगी, क्योंकि उन्हें जीवन प्रमाणन या अन्य जरूरी कार्यों के लिए इधर-उधर भटकना नहीं पड़ेगा। बुनियाद केंद्रों पर प्रशिक्षित कर्मियों की मौजूदगी में लाभार्थियों का कार्य सरलता से पूरा किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग बक्सर के प्रतिनिधि, बुनियाद केंद्र के जिला प्रबंधक, कॉमन सर्विस सेंटर के जिला समन्वयक तथा विभिन्न कॉमन सर्विस सेंटर के वीएलई उपस्थित रहे। सभी ने इस पहल को जनसुविधा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

प्रशासन और एजेंसी ने किया स्पष्ट, पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध, बुकिंग के आधार पर ही मिल रहा सिलेंडर

डुमरांव में रसोई गैस की सप्लाई सामान्य, अफवाहों से ग्रामीण इलाकों में मची अफरा-तफरी

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव शहर और आसपास के क्षेत्रों में रसोई गैस की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य बनी हुई है, हालांकि गैस की कथित कमी को लेकर फैली अफवाहों के कारण ग्रामीण इलाकों में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी की स्थिति उत्पन्न हो गई। प्रशासन और गैस एजेंसी ने स्पष्ट किया है कि क्षेत्र में गैस सिलेंडरों की कोई कमी नहीं है और उपभोक्ताओं को बुकिंग के आधार पर नियमित रूप से आपूर्ति की जा रही है।

जानकारी के अनुसार डुमरांव के नया भोजपुर और पुराना भोजपुर क्षेत्रों में गुरुवार को भी गैस सिलेंडरों की आपूर्ति सामान्य रूप से जारी रही। गैस वेंडर उपभोक्ताओं के घरों तक नियमित रूप से सिलेंडर की डिलीवरी करते नजर आए। सुबह करीब 10 बजे का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें वेंडर सामान्य ढंग से सिलेंडर की डिलीवरी करते दिख रहे हैं। इससे यह साफ हो गया कि शहर में गैस की आपूर्ति पर किसी प्रकार का असर नहीं पड़ा है।

गैस वितरक एजेंसी मां विंध्यवासिनी एंटरप्राइजेज के संचालकों ने बताया कि डुमरांव शहर और नगर परिषद के विस्तारित क्षेत्रों में उपभोक्ताओं को बुकिंग के आधार पर सिलेंडर उपलब्ध कराया जा रहा है। एजेंसी के अनुसार शहर में गैस सिलेंडरों का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है और उपभोक्ताओं को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं हो रही है।

एजेंसी संचालकों ने बताया कि गुरुवार की सुबह करीब नौ बजे ही रसोई गैस का नया आवंटन बड़ी मात्रा में प्राप्त हुआ है। इसके बाद वितरण व्यवस्था और भी सुचारु हो गई है। जिन उपभोक्ताओं ने गैस की बुकिंग कराई है, उन्हें अगले ही दिन सिलेंडर की डिलीवरी दी जा रही है। एजेंसी का कहना है कि शहर में आपूर्ति की स्थिति पूरी तरह संतोषजनक है।

हालांकि पिछले कुछ दिनों से गैस की कमी को लेकर विभिन्न माध्यमों से अफवाहें फैलने लगी थीं। इन अफवाहों का असर विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में देखने को मिला। एजेंसी के अनुसार कई गांवों में जब गैस वितरण वाहन पहुंचता है तो बिना बुकिंग वाले लोग भी बड़ी संख्या में वहां पहुंच जाते हैं और तत्काल सिलेंडर देने की मांग करने लगते हैं। इससे कई बार वितरण व्यवस्था बाधित हो जाती है और स्थिति तनावपूर्ण बन जाती है।

ऐसी स्थिति को देखते हुए फिलहाल एजेंसी ने ग्रामीण क्षेत्रों में डोर-टू-डोर गैस वितरण की व्यवस्था को अस्थायी रूप से रोक दिया है। एजेंसी का कहना है कि जब तक व्यवस्था पूरी तरह व्यवस्थित नहीं हो जाती, तब तक ग्रामीण उपभोक्ताओं को एजेंसी के गोदाम से ही सिलेंडर प्राप्त करना होगा।

एजेंसी ने ग्रामीण उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे पहले गैस की बुकिंग कराएं और उसके बाद निर्धारित प्रक्रिया के तहत सिलेंडर प्राप्त करें। बिना बुकिंग के सिलेंडर उपलब्ध नहीं कराया जाएगा। एजेंसी का कहना है कि इस व्यवस्था का उद्देश्य वितरण प्रक्रिया को पारदर्शी और व्यवस्थित बनाए रखना है, ताकि सभी उपभोक्ताओं को समान रूप से सुविधा मिल सके।

इस बीच रसोई गैस की कीमत में हाल ही में बढ़ोतरी भी दर्ज की गई है। पहले जहां उपभोक्ताओं को एक घरेलू सिलेंडर के लिए करीब 950 से 960 रुपये तक भुगतान करना पड़ता था, वहीं अब इसकी कीमत बढ़कर लगभग 1010 रुपये हो गई है। कीमत में हुई इस बढ़ोतरी के कारण भी उपभोक्ताओं के बीच चर्चा का माहौल बना हुआ है।

उधर प्रशासन ने भी स्थिति को स्पष्ट करते हुए लोगों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की अपील की है। डुमरांव के एसडीएम राकेश कुमार ने कहा कि क्षेत्र में रसोई गैस की किल्लत को लेकर फैल रही खबरें पूरी तरह निराधार हैं। उन्होंने कहा कि प्रशासन और गैस एजेंसियां मिलकर यह सुनिश्चित कर रही हैं कि उपभोक्ताओं को समय पर गैस सिलेंडर उपलब्ध हो।

एसडीएम ने लोगों से अपील की कि वे घबराहट में अनावश्यक रूप से गैस लेने की कोशिश न करें और जरूरत के अनुसार ही बुकिंग कराएं। उन्होंने कहा कि अफवाहों से बचकर ही आपूर्ति व्यवस्था को सुचारु बनाए रखा जा सकता है।

एक नजर

बिजली विभाग की सख्ती : अवैध कनेक्शन पर चला अभियान, दस उपभोक्ताओं पर मामला दर्ज

कृष्णाब्रह्म। बिजली विभाग द्वारा बिजली चोरी पर रोक लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के विभिन्न गांवों में विशेष जांच की गई। इस दौरान कई स्थानों पर अवैध तरीके से बिजली उपयोग किए जाने का मामला सामने आया। विभागीय टीम की जांच में दस उपभोक्ताओं को मीटर से पहले बाईपास कनेक्शन लगाकर बिजली का इस्तेमाल करते पकड़ा गया। बिजली विभाग की टीम को पूर्व से सूचना मिल रही थी कि क्षेत्र के कुछ गांवों में उपभोक्ता मीटर को दरकिनार कर सीधे लाइन से बिजली का उपयोग कर रहे हैं। इस शिकायत को गंभीरता से लेते हुए विभाग के अधिकारियों ने टीम गठित कर छापेमारी अभियान चलाया। अभियान के दौरान कई घरों में जांच की गई, जिसमें पाया गया कि कुछ लोगों ने मीटर से पहले ही तार जोड़कर अवैध कनेक्शन बना लिया था। अधिकारियों ने बताया कि इस तरह की बिजली चोरी से विभाग को राजस्व की क्षति होती है और साथ ही विद्युत आपूर्ति व्यवस्था भी प्रभावित होती है। जांच के दौरान पकड़े गए उपभोक्ताओं के खिलाफ विभागीय स्तर पर कार्रवाई करते हुए उनके विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराने की प्रक्रिया शुरू की गई। इस संबंध में कोरानसराय के सहायक विद्युत अभियंता अर्जुन वर्मा ने कृष्णाब्रह्म थाना में लिखित आवेदन देकर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। उनके आवेदन के आधार पर पुलिस ने इंद्रजीत राम, तारकेश्वर पासवान, अनिल यादव, अभय कुमार सिंह सहित कुल दस लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज कर ली है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। वहीं बिजली विभाग के अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि बिजली चोरी के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

करंट से युवक की मौत के बाद मुआवजे की मांग तेज, जांच व कार्रवाई की उठी आवाज

डुमरांव। कोरानसराय थाना क्षेत्र के पिपरी गांव में बिजली पोल के संपर्क में आने से युवक की मौत के मामले ने तूल पकड़ लिया है। घटना के बाद राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर पीड़ित परिवार को मुआवजा देने तथा मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग उठने लगी है। जानकारी के अनुसार पिपरी गांव निवासी छठू यादव के 35 वर्षीय पुत्र दीपक कुमार यादव की करंट लगने से मौत हो गई थी। बताया जाता है कि बिजली पोल पर कार्य के दौरान अचानक बिजली आपूर्ति शुरू हो जाने से वह करंट की चपेट में आ गया, जिससे मौके पर ही उसकी जान चली गई। युवक की मौत के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। दीपक परिवार का एकमात्र कमाऊ सदस्य बताया जा रहा है, जिसके असमय निधन से परिवार पर आर्थिक संकट गहरा गया है। इस घटना को लेकर आम आदमी पार्टी बिहार के प्रदेश श्रमिक अध्यक्ष ओपी तिवारी ने गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि यदि बिजली विभाग समय रहते सावधानी बरतता तो इस तरह की दुखद घटना से बचा जा सकता था। उन्होंने पूरे मामले की विभागीय जांच कराने और लापरवाही के दोषी अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। साथ ही उन्होंने राज्य सरकार से मांग की कि मृतक के परिजनों को 12 लाख रुपये का मुआवजा दिया जाए तथा परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने के साथ पेंशन की व्यवस्था की जाए, ताकि पीड़ित परिवार को सहारा मिल सके। उन्होंने कहा कि प्रशासन को ऐसे मामलों में त्वरित राहत और संवेदनशीलता दिखानी चाहिए। गौरतलब है कि युवक की मौत के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने डुमरांव-बिक्रमगंज मुख्य सड़क को जाम कर दिया था और मौके पर वरीय अधिकारियों को बुलाने की मांग की थी। सूचना मिलने पर कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझा-बुझाकर जाम समाप्त कराया। घटना के बाद से गांव में शोक का माहौल बना हुआ हैं।

सोवा गांव में युवक से मारपीट चार के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

केटी न्यूज/कृष्णाब्रह्म

स्थानीय थाना क्षेत्र के सोवा गांव में आपसी विवाद को लेकर एक युवक के साथ मारपीट की घटना सामने आई है। घटना में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसके बाद उसके भाई के बयान पर चार लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। मिली जानकारी के अनुसार बुधवार को सोवा गांव में कुछ लोगों ने एक युवक पर लाठी-डंडे और लोहे की रॉड से हमला कर दिया। हमले में युवक बुरी तरह घायल हो गया और उसका पैर भी टूट गया। घटना के बाद परिजनों और स्थानीय लोगों की मदद से घायल युवक को इलाज के लिए डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका प्राथमिक उपचार कराया गया। घायल युवक के भाई प्रमोद कुमार सिंह ने कृष्णाब्रह्म थाना में दिए अपने बयान में आरोप लगाया है कि गांव के ही कुछ लोगों ने एकजुट होकर उसके भाई के साथ मारपीट की। उन्होंने बताया कि हमले के दौरान लाठी-डंडे और लोहे की रॉड का इस्तेमाल किया गया, जिससे युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गया। पीड़ित पक्ष के बयान के आधार पर पुलिस ने नरेंद्र सिंह, रितेश सिंह, सूर्य प्रताप उर्फ धीरज सिंह सहित चार लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज कर ली है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है और घटना से जुड़े सभी पहलुओं की पड़ताल की जा रही है। साथ ही आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए भी आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार घटना के बाद गांव में कुछ समय के लिए तनाव का माहौल बन गया था, हालांकि अब स्थिति सामान्य बताई जा रही है। पुलिस ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है।

कंबोडिया में बक्सर के चार युवक बंधक, साइबर ठगी करने से इंकार किया तो पासपोर्ट जब्त, 6 लाख की फिरौती मांग

- **रोजगार के नाम पर विदेश भेजे गए थे युवक, 25 दिनों से संपर्क टूटा, पाकिस्तानी नंबर से आया कॉल, परिवार का रो-रोकर बुरा हाल**

केटी न्यूज/डुमरांव

रोजगार के सुनहरे सपने दिखाकर विदेश भेजे गए बक्सर और भोजपुर के चार युवक कंबोडिया में कथित रूप से बंधक बना लिए गए हैं। साइबर ठगी से जुड़े काम करने से इंकार करने पर उनके पासपोर्ट और अन्य कागजात जब्त कर लिए गए हैं। पिछले करीब 25 दिनों से परिवार का उनसे कोई सीधा संपर्क नहीं हो पाया है। बीच-बीच में केवल वॉइस मैसेज के माध्यम से छह लाख रुपये की मांग की जा रही है। इस घटना के सामने आने के बाद परिजनों में कोहराम मच गया है और सभी ने सरकार से युवकों की सुरक्षित वापसी की गुहार लगाई है। मिली जानकारी के अनुसार कोरानसराय थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी सुखदेव सिंह के पुत्र गोविंद सिंह 3 जनवरी 2026 को नौकरी के झांसे में कंबोडिया गए थे। उनके साथ कड़सर गांव निवासी कृष्णानंद चौधरी के पुत्र विनोद कुमार चौधरी भी गए थे। इसके अलावा भोजपुर जिले के तीयर थाना क्षेत्र के मनुडिहरी गांव निवासी हृदयानंद राम के पुत्र मरजीत कुमार तथा अगियांव क्षेत्र के खननी कलां निवासी रविंद्र राम के पुत्र मनीष कुमार 29 जनवरी को कंबोडिया पहुंचे थे। मनीष और मरजीत आपस में जीजा-साला बताए जा रहे हैं। परिजनों का आरोप है कि महाराष्ट्र का रहने वाला संतोष चौपगार उर्फ लक्की नामक दलाल युवकों को विदेश भेजने के पूरे नेटवर्क का हिस्सा है। उसने पहले मनीष को अपने झांसे में लिया और फिर सभी युवकों को कंबोडिया में होटल में फूड पैकिंग की नौकरी दिलाने का लालच दिया। इसके बदले भारतीय मुद्रा के अनुसार 75 से 80 हजार रुपये मासिक वेतन का भरोसा दिलाया गया था। लेकिन कंबोडिया पहुंचने के बाद युवकों के सामने सच्चाई खुली। आरोप है कि वहां उनसे साइबर ठगी से जुड़े काम करवाने का दबाव बनाया गया। जब युवकों ने इस अवैध काम को करने से साफ इंकार कर दिया तो उनके पासपोर्ट और जरूरी कागजात जब्त कर लिए गए और उन्हें एक स्थान पर बंद कर दिया गया। गोविंद के भाई अखिलेश कुमार ने बताया कि 19 फरवरी को एक पाकिस्तानी नंबर से कॉल आया था। कॉल करने वाले व्यक्ति ने बताया कि गोविंद और उसके साथी वहां के ह्यसिम रैप जेलह्न में बंद हैं। पहले दो लाख रुपये देने की मांग की गई थी, लेकिन अब रकम बढ़ाकर छह लाख रुपये कर दी गई है। इस घटना के बाद गोविंद की मां विमला देवी और पत्नी निभा कुमारी का रो-रोकर बुरा हाल है। परिवार के लोगों का कहना है कि आर्थिक रूप से वे इतनी बड़ी रकम देने की स्थिति में नहीं हैं। परिजनों ने केंद्र और राज्य सरकार से हस्तक्षेप कर युवकों को सुरक्षित भारत वापस लाने की मांग की है। स्थानीय स्तर पर भी यह मामला तेजी से चर्चा में है और लोगों का कहना है कि रोजगार के नाम पर विदेश भेजने वाले दलालों के नेटवर्क पर सख्त कार्रवाई जरूरी है, ताकि भविष्य में किसी अन्य परिवार को ऐसी पीड़ा न झेलनी पड़े।

कठिन सर्जरी से युवक के जबड़े में प्रत्यारोपित किए दांत, युवा दंत सर्जन डॉ. हिमांशु पांडेय की बड़ी सफलता

- **जन्म से ही दांतों की कमी से जूझ रहे युवक को मिला नया जीवन, आधुनिक डेंटल इंप्लांट तकनीक से लौटी मुस्कान**

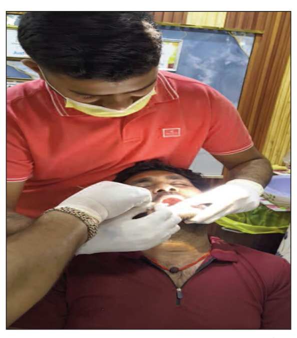

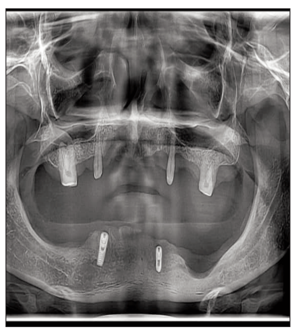

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव के युवा दंत चिकित्सक एवं कुशल सर्जन तथा डुमरांव स्टेशन रोड स्थित पाल कटरा में दंत अस्पताल का संचालन करने वाले डॉ. हिमांशु पांडेय ने एक जटिल दंत सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम देकर मेडिकल साइंस, विशेष रूप से दंत चिकित्सा के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने सिमरी प्रखंड के दुबौली गांव निवासी 23 वर्षीय युवक विशाल दुबे के जबड़े में दांत प्रत्यारोपित कर उसे नई मुस्कान और आत्मविश्वास प्रदान किया है। विशाल दुबे एक दुर्लभ दंत समस्या से पीड़ित था। जन्म से ही उसके मुंह में बहुत कम दांत थे। सामान्य व्यक्ति के मुंह में जहां 28 से 32 दांत होते हैं, वहीं विशाल के ऊपरी जबड़े में मात्र चार और निचले जबड़े में केवल दो दांत ही मौजूद थे। दांतों की इस कमी के कारण उसे खाने-पीने, बोलने और सामाजिक जीवन में भी काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। इस जटिल स्थिति को देखते हुए डॉ. हिमांशु पांडेय ने आधुनिक दंत चिकित्सा तकनीक का सहारा लेते हुए विस्तृत जांच और योजना बनाई। उन्होंने बताया कि पहले युवक के पूरे जबड़े का परीक्षण किया गया और उसके बाद चरणबद्ध तरीके से उपचार की प्रक्रिया शुरू की गई। डॉ. हिमांशु के अनुसार ऊपरी जबड़े में मौजूद प्राकृतिक दांतों को आधार बनाकर फिक्स्ड डेंटल प्रोस्थेसिस लगाया गया, जिससे ऊपर के हिस्से में स्थायी दांतों का सेट तैयार किया गया। वहीं निचले जबड़े में दांतों की लगभग पूर्ण अनुपस्थिति होने के कारण आधुनिक डेंटल इंप्लांट तकनीक का इस्तेमाल किया गया। इस प्रक्रिया में जबड़े की हड्डी के भीतर विशेष टाइटेनियम इंप्लांट लगाए गए, जिन पर कृत्रिम दांतों को स्थायी रूप से स्थापित किया गया। उन्होंने बताया कि यह सर्जरी काफी चुनौतीपूर्ण थी, क्योंकि जन्म से दांतों की कमी होने पर जबड़े की हड्डी का विकास भी सामान्य से अलग होता है। ऐसे में इंप्लांट लगाने के लिए बेहद सावधानी और सटीक तकनीक की आवश्यकता होती है। कई चरणों में की गई इस सर्जरी के सफल होने से डॉक्टरों की टीम का उत्साह भी बढ़ा है। सर्जरी के बाद अब विशाल दुबे सामान्य रूप से खाना खा पा रहा है और उसकी मुस्कान भी लौट आई है। लंबे समय से चली आ रही परेशानी से राहत मिलने पर विशाल और उसके परिवार के सदस्यों ने डॉ. हिमांशु पांडेय के प्रति आभार व्यक्त किया है। विशेषज्ञों के अनुसार दंत चिकित्सा में इंप्लांट तकनीक आधुनिक मेडिकल साइंस की बड़ी उपलब्धि है, जिससे ऐसे मरीजों को भी सामान्य जीवन मिल सकता है जिनके दांत किसी कारणवश नहीं होते। डुमरांव जैसे क्षेत्र में इस प्रकार की जटिल सर्जरी का सफल होना स्थानीय चिकित्सा व्यवस्था के लिए भी एक सकारात्मक संकेत माना जा रहा है।

अफवाहों के बीच चौसा में गैस वितरण व्यवस्था बदली, ओटीपी से मिल रहा सिलेंडर

केटी न्यूज/चौसा

चौसा में पिछले कुछ दिनों से घरेलू गैस की किल्लत और अफवाहों के बीच गुरुवार को गैस वितरण की नई व्यवस्था लागू की गई। इंडेन गैस एजेंसी पर अब उपभोक्ताओं को ओटीपी के आधार पर ही सिलेंडर दिया जा रहा है। नई व्यवस्था के तहत केवल उन्हीं उपभोक्ताओं को सिलेंडर मिल रहा है, जिनके पंजीकृत मोबाइल नंबर पर ओटीपी प्राप्त हो रहा है। गुरुवार की सुबह जैसे ही गैस से लदा वाहन एजेंसी परिसर पहुंचा, उपभोक्ताओं की भीड़ उमड़ पड़ी। सिलेंडर लेने के लिए सुबह से ही लंबी कतारें लग गईं। वितरण व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए एजेंसी परिसर में पुलिस की निगरानी में सिलेंडर बांटे गए। अधिकारियों का कहना है कि ओटीपी आधारित वितरण से फर्जी बुकिंग और कालाबाजारी पर रोक लगाने में मदद मिलेगी। हालांकि नई व्यवस्था के कारण कुछ उपभोक्ताओं को परेशानी भी झेलनी पड़ी। कई लोगों ने बताया कि नेटवर्क समस्या और लिंक फेल होने की वजह से उनके मोबाइल पर ओटीपी नहीं पहुंच रहा था, जिसके कारण उन्हें घंटों इंतजार करना पड़ा। इसके बावजूद अधिकांश उपभोक्ताओं ने माना कि व्यवस्था लागू होने से गैस वितरण में पारदर्शिता आएगी। उपभोक्ता राहुल सिंह ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से गैस संकट की खबरों के कारण लोगों में चिंता का माहौल था। कई लोग पहले से ही सिलेंडर लेने के लिए एजेंसी का चक्कर लगा रहे थे। अब वितरण शुरू होने से स्थिति धीरे-धीरे सामान्य होने की उम्मीद है। इंडेन गैस एजेंसी के ग्रामीण वितरक छट्ठूलाल रजक ने बताया कि फिलहाल केवल घरेलू गैस सिलेंडर की आपूर्ति हो रही है। उन्होंने कहा कि कमर्शियल सिलेंडर की आपूर्ति अभी बंद है, जिससे

रसोई गैस की कोई कमी नहीं, धैर्य बनाए रखे लोग : एसडीएम

केटी न्यूज/आरा

रसोई गैस की किल्लत के अफवाह से मची अफरातफरी के बीच पीरो के अनुमंडल पदाधिकारी कृष्ण कुमार उपाध्याय ने लोगों को भरोसा दिलाया कि रसोई गैस की कोई किल्लत नहीं है। उन्होंने लोगों से धैर्य बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि पहले की तरह पर्याप्त मात्रा में रसोई गैस की आपूर्ति हो रही है। सभी वास्तविक उपभोक्ताओं को नियमानुसार रसोई गैस उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने जारी अपील में कहा है कि दो-तीन दिनों से ऐसा देखा जा रहा है की घरेलू गैस सिलेंडर लेने के लिए तमाम लोग गैस एजेंसी के ऑफिस में पहुंच जा रहे हैं । वहां भीड़भाड़ की स्थिति हो रही है और लोग वहां झगड़ा झंझट भी करने पर उतारू हो जा रहे हैं। जबकि गैस की कोई कमी नहीं है। जिन लोगों का नंबर ओटीपी के माध्यम से आ रहा है उनको गैस की डिलीवरी हो रही है। कई मामलों में ऐसा देखा जा रहा है कि गैस सिलेंडर ले जाने वाले हॉकर को भी कुछ लोग धमका कर-के उससे गैस ले लेने की कोशिश कर रहे हैं। यह कार्य बिल्कुल गैर कानूनी है और ऐसे लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करके उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। अनुमंडल पदाधिकारी पीरों ने बताया कि गैस की कोई किल्लत नहीं है किंतु अभी पिछले चार दिनों से हुए नियमों के बदलाव के कारण 25 दिन पर एक गैस सिलेंडर मिलना है। इसके लिए जिन लोगों ने अपना ई केवाईसी करवाया हुआ है उन लोगों को बुकिंग के समय ओटीपी आता है। ओटीपी डाल कर बुकिंग कंफर्म करने पर सिलेंडर डिलीवरी के लिए इनवॉइस तैयार होता है। कई लोग पुरानी व्यवस्था के तहत मिस कॉल कर करके ओटीपी नहीं देख रहे हैं और यह समझ रहे हैं कि बुकिंग हो गई लेकिन ऐसा नहीं हो पाता ।इसलिए पीरो के इंडेन सभी 24000 उपभोक्ताओं और हिन्दुस्तान पेट्रोलियम के सभी उपभोक्ताओं को सूचित किया जा रहा है कि गैस एजेंसी के आफिस पर बिल्कुल ना जाएं। आप अपनी बुकिंग करके आपके घर में होकर गैस सिलेंडर लेकर जाएगा। अनावश्यक गैस एजेंसी के आफिस में जाकर लाइन लगाकर , भीड़ लगाकर वहां विधि व्यवस्था की समस्या उत्पन्न करने की आवश्यकता नहीं है। गैस सिलेंडर की कोई किल्लत नहीं है। पहले भी इंडेन का 300 गैस सिलेंडर प्रति दिन के हिसाब से वितरण होता था और किसी को भी कोई समस्या नहीं होती थी। अभी इंडेन गैस सिलेंडर साढे चार सौ प्रतिदिन आ रहा है। किसी को भी पूर्व रूटीन के हिसाब से काम करने में गैस सिलेंडर आपूर्ति न होने की कोई संभावना नहीं है। सभी उपभोक्ताओं को समय से गैस सिलेंडर आपूर्ति होगी , बशर्ते 25 दिन के पहले बुकिंग नहीं हो पाएगी। इसलिए सभी उपभोक्ताओं से अनुरोध है कि वह धैर्य रखें और अपनी बारी का इंतजार करें उनके घर जरूर सिलेंडर पहुंचेगा।

लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन 14 मार्च को बनेंगे बिहार के 43वें राज्यपाल

14 मार्च को बिहार के नए राज्यपाल का शपथ ग्रहण तैयारियां शुरू, सीएम नीतीश भी हो सकते हैं शामिल

एजेंसी। पटना

बिहार को जल्द ही नया राज्यपाल मिलने जा रहा है। लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन 14 मार्च को बिहार के 43वें राज्यपाल के रूप में पदभार ग्रहण करेंगे। राजभवन (लोकभवन) में आयोजित होने वाले एक औपचारिक समारोह में पटना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश संगम कुमार साहू उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाएंगे। इस अवसर पर राज्य सरकार के कई वरिष्ठ अधिकारी, न्यायपालिका के सदस्य और अन्य गणमान्य लोग भी उपस्थित रहेंगे। उनवनियुक्त राज्यपाल ले. जनरल सैयद अता हसनैन गुरुवार, 12 मार्च को पटना पहुंचेंगे। जानकारी के अनुसार वह दोपहर लगभग एक बजे पटना एयरपोर्ट पहुंचेंगे। इसके बाद वे सीधे लोकभवन जाएंगे, जहां उनके स्वागत की तैयारियां पहले से ही की जा रही हैं। राज्य सरकार और प्रशासन की ओर से उनके स्वागत और शपथ ग्रहण समारोह को लेकर सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। ले. जनरल सैयद अता हसनैन वर्तमान राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान का स्थान लेंगे। आरिफ मोहम्मद खान का कार्यकाल समाप्त होने के बाद अब राज्य की जिम्मेदारी ले. जनरल हसनैन संभालेंगे। बिहार के प्रशासनिक और संवैधानिक प्रमुख के रूप में उनका कार्यकाल महत्वपूर्ण माना जा रहा है। लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन भारतीय सेना के वरिष्ठ और अनुभवी अधिकारियों में गिने जाते हैं। उन्होंने अपने सैन्य जीवन में कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है और देश की सेवा में अहम योगदान दिया है। सेना में रहते हुए उन्होंने कई चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में नेतृत्व किया और अपनी कार्यकुशलता का परिचय दिया। सैन्य सेवा के दौरान वे श्रीनगर स्थित चिनार कोर के कमांडिंग इन चीफ भी रह चुके हैं। चिनार कोर भारतीय सेना की एक महत्वपूर्ण इकाई मानी जाती है, जो जम्मू-कश्मीर क्षेत्र में सुरक्षा और आतंकवाद विरोधी अभियानों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इस पद पर रहते हुए उन्होंने क्षेत्र में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए। इसके अलावा ले. जनरल हसनैन शिक्षा के क्षेत्र में भी योगदान दे चुके हैं। वर्ष 2018 में उन्हें कश्मीर केंद्रीय विश्वविद्यालय का कुलपति नियुक्त किया गया था। कुलपति के रूप में उन्होंने विश्वविद्यालय के शैक्षणिक विकास और प्रशासनिक सुधारों के लिए कई पहल कीं। उनके कार्यकाल में विश्वविद्यालय में शिक्षा और शोध के क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव देखने को मिले। अपने सैन्य करियर के दौरान ले. जनरल हसनैन ने कई महत्वपूर्ण अभियानों में भी भाग लिया है। वर्ष 1988 से 1990 के बीच उन्होंने श्रीलंका में भारतीय शांति सेना के तहत चलाए गए ऑपरेशन पवन में हिस्सा लिया था। यह अभियान उस समय भारतीय सेना के लिए एक महत्वपूर्ण मिशन माना जाता था। इसके बाद वर्ष 1990-91 के दौरान उन्होंने पंजाब में आतंकवाद विरोधी अभियानों में भी सक्रिय भूमिका निभाई। उस समय पंजाब आतंकवाद की गंभीर समस्या से जूझ रहा था और सेना तथा सुरक्षा बलों ने मिलकर हालात को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इन अभियानों में उनकी भागीदारी उनके साहस और नेतृत्व क्षमता को दर्शार्ती है। अब बिहार के नए राज्यपाल के रूप में ले. जनरल सैयद अता हसनैन से यह उम्मीद की जा रही है कि वे अपने अनुभव और प्रशासनिक समझ के साथ राज्य के संवैधानिक दायित्वों को प्रभावी ढंग से निभाएंगे। राज्यपाल के रूप में उनकी भूमिका राज्य सरकार और केंद्र सरकार के बीच समन्वय बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण होगी। 14 मार्च को होने वाले शपथ ग्रहण समारोह के साथ ही बिहार को अपना नया संवैधानिक प्रमुख मिल जाएगा। राज्य के राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में इस बदलाव को लेकर काफी चर्चा भी हो रही है।

शादी समारोह में शामिल होने जा रहे तीन दोस्तों की बाइक पेड़ से टकराई, एक की मौत दो घायल

केटी न्यूज/रोहतास

काराकाट थाना क्षेत्र में बुधवार रात एक सड़क हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। दहियारी और कर्मा के बीच पक्की सड़क पर शादी समारोह में शामिल होने जा रहे तीन दोस्तों की बाइक पेड़ से टकरा गई। मृतक की पहचान सिकरिया गांव निवासी 24 वर्षीय हरीश पंडित के रूप में हुई है, जो अपने परिवार का इकलौता बेटा था। यह घटना बुधवार रात करीब 11:30 बजे की बताई जा रही है। हरीश पंडित अपनी बाइक पर सिकरिया गांव के शंकर महतो के पुत्र सूरज महतो और नासरीगंज थाना क्षेत्र के पोखराहा गांव निवासी सुजीत पंडित के पुत्र दीपक पंडित के साथ शादी में शामिल होने जा रहे थे। दहियारी और कर्मा के बीच पक्की सड़क पर अचानक बाइक अनियंत्रित होकर एक पेड़ से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि हरीश पंडित के माथे पर गंभीर चोटें आईं और उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया। बाइक पर पीछे बैठे सूरज महतो को मामूली चोटें आईं, जबकि बीच में बैठे दीपक पंडित की हालत गंभीर बनी हुई है। सूचना मिलते ही काराकाट थाने की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने तीनों को गोडारी स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने हरीश को मृत घोषित कर दिया। दीपक पंडित को प्राथमिक उपचार के बाद सासाराम सदर अस्पताल रेफर किया गया, जहां से उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें बनारस रेफर कर दिया गया। सूरज महतो को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया। मृतक हरीश पंडित के शव को पोस्टमार्टम के लिए सासाराम सदर अस्पताल भेज दिया गया है। काराकाट थाना अध्यक्ष विवेक कुमार ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर मौत हो गई, जबकि एक घायल की हालत स्थिर है और तीसरे को सासाराम सदर अस्पताल रेफर किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। इकलौते बेटे की मौत से हरीश पंडित के परिवार में मातम छा गया है। परिजन गहरे सदमे में हैं।

चैंबर ऑफ कॉमर्स के सेक्रेटरी बने अमित कुमार 'आर्या'

केटी न्यूज/रोहतास

चैंबर ऑफ कॉमर्स रोहतास इकाई के द्वारा समाजसेवी एवं युवा उद्यमी अमित कुमार आर्या' को संस्था का सेक्रेटरी मनोनीत किया गया है। इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के लिए उन्होंने संस्था के जिलाध्यक्ष सच्चिदानंद प्रसाद के साथ साथ सभी सम्मानित पदाधिकारियों एवं सदस्यों के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया है। नवमनोनीत सेक्रेटरी अमित कुमार 'आर्या' ने कहा कि यह पद उनके लिए केवल एक दायित्व नहीं बल्कि संस्था द्वारा व्यक्त किए गए विश्वास और सम्मान का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि चैंबर ऑफ कॉमर्स का मुख्य उद्देश्य जिले के व्यापार और उद्योग को सशक्त बनाना, व्यापारियों की समस्याओं को प्रशासन और सरकार तक प्रभावी ढंग से पहुंचाना तथा युवाओं को व्यापार और उद्यमिता के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना है। उन्होंने कहा कि यह संस्था सामाजिक दायित्वों का भी निर्वहन करती रही है। शिक्षा, स्वास्थ्य, जनसेवा, राहत कार्य तथा विभिन्न सामाजिक कार्यक्रमों के माध्यम से चैंबर ऑफ कॉमर्स समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है। अमित कुमार आर्या ने कहा कि वे पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ संस्था के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने तथा व्यापारियों और समाज के हित में कार्य करने का प्रयास करेंगे। साथ ही उन्होंने विश्वास जताया कि संस्था के सभी पदाधिकारियों और सदस्यों का मार्गदर्शन एवं सहयोग निरंतर मिलता रहेगा, जिससे रोहतास जिले के व्यापार, उद्योग और समाज के विकास में और अधिक योगदान दिया जा सकेगा। आपको बताते चले कि श्री आर्या वर्तमान में सासाराम व्यापार मंडल के अध्यक्ष भी हैं, साथ ही लायंस क्लब ऑफ सासाराम, नया सवेरा शिक्षा संस्थान जैसे सामाजिक संस्था के साथ भी जुड़ कर समाज हित में काम करते रहते हैं तथा उनके द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों को देखते हुए ही उन्हें एक नए दायित्व कि जिम्मेदारी सौपी गयी है।

उन्होंने इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के लिए एक बार फिर चैंबर ऑफ कॉमर्स परिवार के प्रति हृदय की गहराइयों से आभार व्यक्त किया हैं।

एक नजर

अनुमंडल क्षेत्र में चैता के गीतों में डूबेंगे लोगों, गूंजने लगी मधुर धुन

बिक्रमगंज। चैत्र महीने की दस्तक के साथ ही बिक्रमगंज अनुमंडल क्षेत्र के गांवों में एक बार फिर चैता गीतों की मधुर तान गूंजने लगी है । खेत-खलिहानों,चौपालों और गांव की गलियों में देर रात तक चलने वाले चैता गायन से पूरा माहौल लोक संस्कृति की मिठास से सराबोर हो जाता है । यह केवल संगीत नहीं, बल्कि पीढ़ियों से चली आ रही सांस्कृतिक विरासत का जीवंत रूप है । चैता पूर्वांचल और बिहार की लोक परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा है । इसे खास तौर पर चैत्र महीने में गाया जाता है,जब मौसम में बदलाव के साथ प्रकृति भी नए रंगों में खिल उठती है । आम के बौर,महुए की खुशबू और हल्की गर्म हवा के बीच गूंजती चैता की तान ग्रामीण जीवन की भावनाओं को शब्द और स्वर देती है। लोक कलाकार ढोलक,झांझ, मंजीरा और हारमोनियम की संगत पर प्रेम,विरह,भक्ति और सामाजिक जीवन से जुड़े गीत प्रस्तुत करते हैं। कई गांवों में पूरी रात ह्लचैता मुकाबलाह्व आयोजित होता है,जहां दो दल बारी-बारी से गीत गाकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर देते हैं । इन आयोजनों में गांव के बुजुर्गो के साथ- साथ युवाओं और बच्चों की भी बड़ी भागीदारी देखने को मिलती है ।सांस्कृतिक जानकारों का मानना है कि चैता गीत ग्रामीण समाज की भावनाओं,संघर्ष और जीवनशैली का सजीव दस्तावेज हैं । बदलते समय और आधुनिक मनोरंजन के साधनों के बावजूद इन गीतों की लोकप्रियता बरकरार है । अब कई कलाकार मंचीय कार्यक्रमों और डिजिटल माध्यमों के जरिए भी चैता को नई पहचान दिला रहे हैं । ग्रामीण अंचलों में जब रात गहराती है और ढोलक की थाप के साथ ह्लहो रामाङ्कह्व की तान उठती है,तो लगता है मानो पूरी धरती लोक संगीत की धड़कनों से जीवंत हो उठी हो।

125 यूनिट मुफ्त बिजली के बावजूद बिजली चोरी में दो लोगों पर केस

बिक्रमगंज। बिजली बिल के बकायेदार उपभोक्ताओं एवं बिजली चोरी करने वालों के खिलाफ विद्युत विभाग ने सख्त रुख अपनाते हुए कार्रवाई तेज कर दी है। विभाग द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत राजस्व वसूली के साथ-साथ बिजली चोरी के मामलों की भी लगातार जांच की जा रही है। अभियान के दौरान विभागीय टीम गांव-गांव एवं शहरी मोहल्लों में जाकर बकायेदार उपभोक्ताओं से संपर्क कर बकाया बिजली बिल जमा करने की अपील कर रही है। इसी क्रम में जांच के दौरान बिजली चोरी के दो मामले सामने आए हैं, जिन पर विभाग द्वारा कड़ी कार्रवाई की गई है। जांच के दौरान गीधा गांव निवासी हरी नारायण चौधरी पिता-गुलाब चंद चौधरी द्वारा मुख्य सर्विस तार में कटिंग कर अतिरिक्त तार जोड़ते हुए मीटर को बाईपास कर विद्युत ऊर्जा चोरी करते पाया गया। इस मामले में विभाग द्वारा 26711 रुपए की राजस्व क्षति का आकलन करते हुए उनके विरुद्ध दावथ थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। वहीं नावाडीह गांव निवासी अजय साह पिता-रामनाथ साह पर बिना वैध विद्युत कनेक्शन लिए एलटी पोल से अवैध रूप से तार जोड़कर बिजली चोरी करने का आरोप पाया गया। जांच के दौरान उनके परिसर में मीटर स्थापित नहीं पाया गया तथा वैध विद्युत कनेक्शन से संबंधित कोई दस्तावेज भी प्रस्तुत नहीं किया गया। इस मामले में विभाग द्वारा 12663 का जुमार्ना लगाया गया है। इस संबंध में सहायक विद्युत अभियंता बिक्रमगंज राज कुमार ने बताया कि बिजली चोरी की रोकथाम के लिए विभाग द्वारा लगातार छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। सरकार द्वारा उपभोक्ताओं को राहत देने के उद्देश्य से 125 यूनिट तक मुफ्त बिजली की सुविधा दी गई है, इसके बावजूद कुछ उपभोक्ता बिजली चोरी जैसे अवैध कार्य कर रहे हैं, जो पूरी तरह दंडनीय अपराध है। उन्होंने बताया कि बिजली व्यवस्था को सुचारु रूप से संचालित रखने तथा विभागीय योजनाओं के सफल क्रियान्वयन के लिए समय पर बिजली बिल का भुगतान करना अत्यंत आवश्यक है। बकाया रहने से विभाग को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। विद्युत कार्यपालक अभियंता ई.ब्रवीम ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में 20 हजार रुपये से अधिक तथा शहरी क्षेत्रों में 5 हजार रुपये से अधिक बिजली बिल बकाया रहने पर उपभोक्ताओं के विद्युत कनेक्शन काटने की कार्रवाई की जा रही है।

गमन के मामले में एक आरोपी को जेल, अबतक 5 गिरफ्तार

बिक्रमगंज। नटवार थाना की पुलिस ने गबन से जुड़े एक मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए एक महिला अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। यह कार्रवाई थाना में पहले से दर्ज कांड संख्या 140/24 के आलोक में की गई है। थानाध्यक्ष अजीत कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने धर्मपुरा थाना क्षेत्र के ग्राम सिसीरीत केशो सिंह टोला निवासी संजय कुमार सिंह की पत्नी नम्रता कुमारी को नोखा बाजार से गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार इसी मामले में नम्रता कुमारी के पति संजय कुमार सिंह तथा उनके ससुर को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है और दोनों अभी भी न्यायिक हिरासत में है। थानाध्यक्ष ने बताया कि गबन के इस मामले में अब तक कुल पांच लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है और अन्य संलिप्त लोगों की भूमिका की भी जांच पड़ताल की जा रही है।

थाना में एफआईआर दर्ज मारपीट के मामले में एक अभियुक्त गिरफ्तार गया जेल

सूर्यपुरा। थाना क्षेत्र के ग्राम कुसुम्हरा में हुए मारपीट मामले में प्रथम पक्ष के तरफ से धर्मशीला देवी और दूसरे पक्ष के अशोक चौधरी पिता नरसिंघ बिंद ने प्राथमिकी दर्ज कराया है । जिसमें अशोक चौधरी का सिर फट गया था, इन्ही के द्वारा दर्ज कराए गए कांड के प्राथमिकी नामजद अभियुक्त गोपाल कुमार पिता सुरेश चौधरी को गिरफ्तार किया गया,जिसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है, इसकी जानकारी थानाध्यक्ष चंदन कुमार भगत ने दी।

उद्योग योजनाओं के तहत ऋण स्वीकृति व वितरण शिविर आयोजित

केटी न्यूज/बक्सर

जिलाधिकारी साहिला की अध्यक्षता में गुरुवार को समाहरणालय परिसर स्थित सभाकक्ष में उद्योग विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के तहत ऋण स्वीकृति एवं वितरण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम-2, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना तथा प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के लाभुकों को ऋण स्वीकृति पत्र एवं भुगतान पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी साहिला ने महाप्रबंधक जिला उद्योग केंद्र बक्सर तथा जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक को निर्देश दिया कि वित्तीय वर्ष की समाप्ति से पूर्व सभी योजनाओं के अंतर्गत निर्धारित लक्ष्य की शत-प्रतिशत उपलब्धि सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने से न केवल रोजगार के अवसर बढ़ेंगे बल्कि लोगों की आर्थिक स्थिति भी सुदृढ़ होगी। जिलाधिकारी ने उपस्थित उद्यमियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बक्सर जिले की भौगोलिक स्थिति उद्योग एवं व्यापार के लिए काफी अनुकूल है। यहां सड़क और रेल मार्ग की बेहतर सुविधा उपलब्ध है, जिसके कारण जिले में उद्योगों के विकास की असीम संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि सभी लोग मिलकर सामूहिक प्रयास से बक्सर को उद्योग के क्षेत्र में अग्रणी जिला बनाने का संकल्प लें और स्वयं के साथ-साथ अन्य लोगों के लिए भी रोजगार के अवसर पैदा करें। इससे जिले और राज्य की आर्थिक तथा सामाजिक प्रगति को गति मिलेगी। इस अवसर पर महाप्रबंधक जिला उद्योग केंद्र बक्सर ने विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के अंतर्गत सेवा क्षेत्र में अधिकतम 20 लाख रुपये तथा विनिर्माण क्षेत्र में अधिकतम 50 लाख रुपये तक का ऋण उपलब्ध कराया जाता है। इस योजना में ग्रामीण क्षेत्रों के लाभार्थियों को 25 से 35 प्रतिशत तथा शहरी क्षेत्रों के लाभार्थियों को 15 से 25 प्रतिशत तक अनुदान का प्रावधान है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम-2 के तहत ऐसे आवेदकों को ऋण दिया जाता है, जिन्होंने पहले प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम-1 या मुद्रा ऋण योजना के माध्यम से बैंक से ऋण प्राप्त किया हो और जिनकी इकाइयां कम से कम तीन वर्षों से संचालित हो रही हों। ऐसे लाभार्थियों को 15 प्रतिशत अनुदान के साथ एक करोड़ रुपये तक का ऋण उपलब्ध कराया जाता है। वहीं प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना के तहत खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र से जुड़े उद्योगों को अधिकतम 10 लाख रुपये तक की परियोजना पर 35 प्रतिशत अनुदान दिया जाता है। बताया गया कि इस योजना के क्रियान्वयन में बक्सर जिला वर्तमान में पूरे राज्य में प्रथम स्थान पर है। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के तहत नाव निमार्ता, लोहार, हथियार बनाने वाले कारीगर, मूर्तिकार, खिलौना बनाने वाले, माला निमार्ता तथा मछली पकड़ने के जाल बनाने वाले कारीगरों को प्रशिक्षण के साथ दो चरणों में क्रमशः एक लाख और दो लाख रुपये तक का ऋण उपलब्ध कराया जाता है।

जंग के असर से रजौली में गैस सिलेंडर की किल्लत, एजेंसी पर उमड़ी भीड़

केटी न्यूज/नवादा

नगर पंचायत में इन दिनों रसोई गैस की किल्लत से लोग परेशान नजर आ रहे हैं। बुधवार की सुबह से ही शहर के निशा गैस एजेंसी के बाहर उपभोक्ताओं की लंबी कतार देखने को मिली। गैस सिलेंडर लेने के लिए लोग सुबह-सुबह एजेंसी पहुंच गए, जिसके कारण वहां अफरा-तफरी जैसा माहौल बन गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि पिछले कुछ दिनों से गैस की आपूर्ति नियमित नहीं हो पा रही है। बताया जा रहा है कि मिडिल-ईस्ट में चल रहे युद्ध के कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गैस आपूर्ति प्रभावित हुई है, जिसका असर अब छोटे-छोटे शहरों तक भी देखने को मिल रहा है। इसी वजह से गैस की उपलब्धता कम हो गई है और उपभोक्ताओं को घंटों लाइन में लगकर इंतजार करना पड़ रहा है। कई उपभोक्ताओं ने बताया कि सुबह से लाइन में लगने के बावजूद सभी लोगों को गैस नहीं मिल पा रही है। इससे खासकर गृहिणियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोगों ने प्रशासन और गैस एजेंसी से जल्द से जल्द गैस की आपूर्ति सामान्य करने की मांग की है, ताकि आम लोगों को राहत मिल सके। वहीं एजेंसी से जुड़े लोगों का कहना है की गैस की कोई कमी नहीं है, साथ ही सभी उपभोक्ताओं को गैस उपलब्ध करा दी जाएगी।

बिहार में 78 बालू घाटों के सरेंडर में बड़ी साजिश का खुलासा, विजय सिन्हा ने किया सख्त कार्रवाई का एलान

एजेंसी। पटना

बिहार में 78 बालू घाटों के सरेंडर में साजिश का खुलासा हुआ है। डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा ने संवेदकों पर रोक और सिक्योरिटी मनी जप्त करने की घोषणा की। साथ ही 71 गुप्त सूचनादाताओं को 'बिहार खनन योद्धा पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। बिहार में 78 बालू घाटों के सरेंडर के पीछे बड़ी साजिश सामने आई है। यह जानकारी खुद उपमुख्यमंत्री और भूतत्व मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने गुरुवार को प्रेस वार्ता में दी। डिप्टी सीएम ने कहा कि इन संवेदकों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी और वे आगे किसी भी बालू खनन निविदा में भाग नहीं ले सकेंगे। विजय सिन्हा ने बताया कि बालू माफियाओं ने साजिश कर

78 घाटों का सरेंडर किया, जिससे विभाग को लगभग 700 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। इनके खिलाफ विभाग सिक्योरिटी मनी जब्त करेगा और वे किसी भी रूप में खनन निविदाओं में आवेदन नहीं कर पाएंगे, न ही दूसरी कंपनी से जुड़कर आवेदन कर सकेंगे। डिप्टी सीएम ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान विभाग की 100 दिन की उपलब्धियों का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि 71 गुप्त सूचनादाताओं को 'बिहार खनन योद्धा पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। इनाम राशि डिजिटल माध्यम से सीधे बैंक खाते में भेजी गई। बड़ी गाड़ी पकड़वाने पर 10,000 रुपये और छोटी गाड़ी पकड़वाने पर 5,000 रुपये का इनाम दिया गया था। इस कदम से सरकार ने बालू माफियाओं पर नियंत्रण और खनन क्षेत्र में पारदर्शिता सुनिश्चित करने का संदेश दिया है।

अंचलाधिकारी–राजस्व अधिकारियों की हड़ताल के बीच भी नहीं रुकेगा जनता का काम : विजय कुमार सिन्हा

बिहार में 78 बालू घाटों के सरेंडर के पीछे बड़ी साजिश सामने आई है। यह जानकारी खुद उपमुख्यमंत्री और भूतत्व मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने गुरुवार को प्रेस वार्ता में दी। डिप्टी सीएम ने कहा कि इन संवेदकों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी और वे आगे किसी भी बालू खनन निविदा में भाग नहीं ले सकेंगे। विजय सिन्हा ने बताया कि बालू माफियाओं ने साजिश कर 78 घाटों का सरेंडर किया, जिससे विभाग को लगभग 700 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। इनके खिलाफ विभाग सिक्योरिटी मनी जब्त करेगा और वे किसी भी रूप में खनन निविदाओं में आवेदन नहीं कर पाएंगे, न ही दूसरी कंपनी से जुड़कर आवेदन कर सकेंगे। डिप्टी सीएम ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान विभाग की 100 दिन की उपलब्धियों का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि 71 गुप्त सूचनादाताओं को 'बिहार खनन योद्धा पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। इनाम राशि डिजिटल माध्यम से सीधे बैंक खाते में भेजी गई। बड़ी गाड़ी पकड़वाने पर 10,000 रुपये और छोटी गाड़ी पकड़वाने पर 5,000 रुपये का इनाम दिया गया था। इस कदम से सरकार ने बालू माफियाओं पर नियंत्रण और खनन क्षेत्र में पारदर्शिता सुनिश्चित करने का संदेश दिया है।

बिहार में 45 हजार शिक्षकों की होगी बहाली : सीएम नीतीश कुमार का बड़ा एलान, लालू -राबड़ी शासनकाल पर भी साधा निशाना

एजेंसी। पटना

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार को अपनी समृद्धि यात्रा के दौरान पूर्णीया का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने राज्य की शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि बिहार में जल्द ही 45 हजार नए शिक्षकों की बहाली की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की कमी दूर होगी और शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार आएगा। पूर्णिया में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने पिछले कई वर्षों में शिक्षा के क्षेत्र में लगातार सुधारात्मक कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि एक समय ऐसा था जब बिहार के सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की भारी कमी थी, जिससे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती थी। इस समस्या को दूर करने के लिए सरकार ने बड़े पैमाने पर शिक्षक नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू की। मुख्यमंत्री ने बताया कि पहले राज्य में नियोजित शिक्षकों की नियुक्ति की गई, जिससे स्कूलों में शिक्षकों की संख्या बढ़ी। इसके बाद पारदर्शी प्रक्रिया के तहत बीपीएससी के माध्यम से भी शिक्षकों की भर्ती कराई गई। उन्होंने कहा कि इन प्रयासों का ही परिणाम है कि आज बिहार में सरकारी शिक्षकों की संख्या बढ़कर 5 लाख 24 हजार से अधिक हो चुकी है। अब इसी क्रम में राज्य सरकार 45 हजार और शिक्षकों की बहाली की प्रक्रिया शुरू करने जा रही है। मुख्यमंत्री ने बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2006 से ही राज्य सरकार ने लड़कियों की शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए कई योजनाएं शुरू कीं। छात्राओं को साइकिल, पोशाक और अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं, जिसका सकारात्मक असर स्कूलों में देखने को मिला। इन योजनाओं के कारण स्कूलों में लड़कियों की उपस्थिति और नामांकन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।इस दौरान मुख्यमंत्री ने राज्य के पुराने दौर की स्थिति का जिक्र करते हुए विपक्ष पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि 24 नवंबर 2005 से पहले बिहार में कानून व्यवस्था की स्थिति बेहद खराब थी। उस समय लोग शाम के बाद घर से बाहर निकलने में डरते थे। उन्होंने आरोप लगाया कि उस दौर में स्वास्थ्य, शिक्षा और सड़क जैसी बुनियादी सुविधाओं की स्थिति भी काफी खराब थी और कई वर्षों तक सत्ता में रहने के बावजूद इन क्षेत्रों में कोई बड़ा काम नहीं किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने सत्ता में आने के बाद राज्य के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया। उन्होंने बताया कि पिछले वर्षों में बिहार में सड़कों और पुल-पुलियों का बड़े पैमाने पर निर्माण कराया गया है। इसका सीधा फायदा आम लोगों को मिला है और अब राज्य के विभिन्न जिलों से राजधानी पटना तक पहुंचना पहले की तुलना में काफी आसान हो गया है। उन्होंने कहा कि पहले कई जिलों से पटना पहुंचने में छह घंटे या उससे अधिक समय लगता था, लेकिन अब बेहतर सड़क नेटवर्क के कारण सबसे दूर के जिलों से भी करीब पांच घंटे में राजधानी पहुंचना संभव हो गया है। इससे व्यापार, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं तक लोगों की पहुंच भी आसान हुई है। मुख्यमंत्री ने महिलाओं के सशक्तिकरण को लेकर भी सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने बताया कि वर्ष 2015 में राज्य सरकार ने सीत नीश्चय योजना की शुरूआत की थी, जिसके तहत युवाओं, महिलाओं और बुनियादी सुविधाओं से जुड़े कई कार्यक्रम शुरू किए गए। इसके बाद वर्ष 2020 में इसका दूसरा चरण लागू किया गया। एउन्होंने कहा कि अब सात निश्चय-3 के तहत भी राज्य में कई विकासात्मक योजनाओं पर काम किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना, शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करना और बुनियादी सुविधाओं का विस्तार करना है।

एक नजर

मुजफ्फरपुर में फिर मिला चमकी बुखार का मरीज, पांच साल का बच्चा अस्पताल में हुआ भर्ती

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर जिले में गर्मी बढ़ने के साथ ही एक बार फिर एईएस (चमकी बुखार) का मरीज मिलने से स्वास्थ्य विभाग सतर्क हो गया है। औराई प्रखंड क्षेत्र के भरथुआ गांव के रहने वाले करीब साढ़े पांच वर्षीय बच्चे में एईएस की पुष्टि हुई है। जानकारी के अनुसार, बच्चे को चमकी बुखार जैसे लक्षण दिखाई देने के बाद 9 मार्च को दिन में उसे इलाज के लिए एसकेएमसीएच के पीकू वार्ड में भर्ती कराया गया था। दो दिनों तक इलाज चलने के बाद बच्चे की हालत में सुधार हुआ और 11 मार्च की शाम उसे अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया। डॉक्टरों के अनुसार बच्चे में एईएस की पुष्टि हुई है और बीमारी का कारण हाइपोग्लाइसीमिया (ब्लड शुगर की कमी) बताया गया है। बताया जा रहा है कि मुजफ्फरपुर में करीब सवा महीने बाद एईएस का यह नया मामला सामने आया है। इस वर्ष अब तक जिले में एईएस के तीन मरीज मिल चुके हैं, जिनमें दो मरीज जनवरी महीने में मिले थे। एसकेएमसीएच के पीकू वार्ड में अब तक कुल सात एईएस संदिग्ध मरीज इलाज के लिए पहुंच चुके हैं। इनमें से चार मरीज अन्य जिलों के रहने वाले हैं। इनमें शिवहर के दो, जबकि छपरा और गोपालगंज के एक-एक मरीज शामिल हैं।एईएस का मामला सामने आने के बाद जिला स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड में आ गया है। सिविल सर्जन डॉ. सुधीर कुमार ने बताया कि एक बच्चे में एईएस की पुष्टि हुई है, लेकिन फिलहाल बच्चा स्वस्थ होकर घर लौट चुका है। उन्होंने कहा कि गर्मी बढ़ने के साथ एईएस के मामले बढ़ने की आशंका रहती है, इसलिए सभी पीएचसी को सतर्क रहने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने बताया कि एसकेएमसीएच मेडिकल कॉलेज के पीकू वार्ड में एईएस मरीजों के इलाज के लिए सभी जरूरी दवाइयां, उपकरण और सुविधाएं उपलब्ध हैं। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों के अभिभावकों को जागरूक करने के लिए अभियान भी चलाया जा रहा है।

भ्रष्टाचार के खिलाफ कड़ी कार्रवाई, गोपालगंज में राजस्व अधिकारी विजय कुमार सिंह निलंबित

पटना। बिहार सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने भ्रष्टाचार के खिलाफ एक और बड़ी कार्रवाई की है। उप मुख्यमंत्री सह विभागीय मंत्री विजय कुमार सिन्हा के निर्देश पर गोपालगंज जिले के बरौली में तैनात राजस्व अधिकारी विजय कुमार सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।यह मामला तब उजागर हुआ जब निगरानी अन्वेषण ब्यूरो की टीम ने एक जाल बिछाकर विजय कुमार सिंह को छह हजार रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया। ब्यूरो को शिकायत मिली थी कि अधिकारी सरकारी कार्य के बदले अवैध राशि की मांग कर रहे थे। गिरफ्तार होने के बाद आरोपी अधिकारी को मुजफ्फरपुर स्थित विशेष निगरानी न्यायालय में पेश किया गया।राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने समाहर्ता, गोपालगंज और निगरानी ब्यूरो से प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर निलंबन की पुष्टि की है। यह कार्रवाई बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2005 के अनुसार की गई है। निलंबन की अवधि के दौरान विजय कुमार सिंह का मुख्यालय आयुक्त कार्यालय, तिरहुत प्रमंडल, मुजफ्फरपुर तय किया गया है। उन्हें नियमित रूप से मुख्यालय में अपनी उपस्थिति दर्ज करानी होगी और केवल जीवन निर्वाह भत्ता प्राप्त होगा।उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि सरकारी तंत्र में भ्रष्टाचार के लिए कोई स्थान नहीं है।

राजधानी पटना में एलपीजी संकट : 300 रुपये एलपीजी गैस मिलने से छात्र परेशान, होटल बंद होने से घर लौटने को मजबूर

एजेंसी। पटना

इजरायल युद्ध के बीच एलपीजी गैस का संकट गहरा गया है। पटना में गैस सिलेंडर की कमी को लेकर छात्रों के बीच हाहाकार मचा हुआ है। सरकार का दावा है कि गैस का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है और किसी तरह की दिक्कत नहीं होगी। लेकिन मुसल्लहपुर हाट में रहकर पढ़ाई करने वाले छात्रों की स्थिति इस दावे से बिल्कुल अलग नजर आ रही है। छात्रों का कहना है कि उन्हें गैस नहीं मिल रही है, जिसके कारण खुद खाना बनाना मुश्किल हो गया है। कई छात्रों के गैस सिलेंडर खत्म हो चुके हैं और नया सिलेंडर भरवाने पर भी गैस उपलब्ध नहीं हो रहा है। आरोप है कि सरकार का दावा गलत है। एक छात्र ने बताया कि पहले गैस 90 रुपये प्रति किलो मिलती थी, लेकिन कल 300 रुपये प्रति किलो तक मिल रही थी और आज तो वह भी उपलब्ध नहीं है। छात्रों का कहना है कि वे पढ़ाई करने आए हैं, राजनीति करने नहीं। होली के बाद लौटे तो गैस खत्म हो गई और अब उसे भरवाने में भारी परेशानी हो रही है। छात्रों के अनुसार यह कोई अफवाह नहीं, बल्कि हकीकत है कि गैस नहीं मिल रही। कई छात्र ऐसे परिवारों से आते हैं जहां से उन्हें महीने में केवल 4 हजार रुपये खर्च के लिए मिलते हैं। ऐसे में 300 रुपये प्रति किलो गैस खरीदना उनके लिए बहुत मुश्किल हो गया है। जमुई के रहने वाले विवेक ने बताया कि आज उनका गैस सिलेंडर खत्म हो गया। जब वह भरवाने गए तो पता चला कि गैस 300 रुपये प्रति किलो मिल रही है और इसके लिए लंबी लाइन में घंटों खड़ा होना पड़ रहा है। स्थिति और भी गंभीर इसलिए हो गई है क्योंकि पटना में कॉमर्शियल गैस की सप्लाई भी प्रभावित हो गई है। इसके कारण होटलों और हॉस्टल में खाना बनना बंद हो गया है और छात्रों के सामने खाने की समस्या खड़ी हो गई है। कई जगह चाय की कीमत भी बढ़ा दी गई है। छात्रों का कहना है कि बिना खाना खाए पढ़ाई करना बहुत मुश्किल हो रहा है। कई छात्र फिलहाल भूंजा, सत्तू और चूड़ा खाकर गुजारा कर रहे हैं। उनका कहना है कि अगर यही स्थिति रही तो घर लौटने के अलावा कोई दूसरा रास्ता नहीं बचेगा।

दादी से मिलने नवादा पहुंचे भारतीय क्रिकेटर ईशान किशन, एक झलक पाने को उमड़ी प्रशंसकों की भारी भीड़

एजेंसी। पटना

भारतीय क्रिकेटर ईशान किशन बिहार के नवादा पहुंचे और पुरानी जेल रोड स्थित घर में अपनी दादी डॉ. सावित्री शर्मा से मुलाकात की। उनके आगमन की खबर फैलते ही प्रशंसकों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी और लोग उनके साथ तस्वीर लेने के लिए उत्साहित दिखे। भारतीय क्रिकेटर ईशान किशन गुरुवार को नवादा पहुंचे, जहां उनके आने की खबर मिलते ही प्रशंसकों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। लोग उनकी एक झलक पाने और उनके साथ तस्वीरें लेने के लिए उत्साहित दिखाई दिए। ईशान किशन अपनी दादी, पूर्व सिविल सर्जन डॉ. सावित्री शर्मा से मिलने नवादा आए थे। वह सड़क मार्ग से लगभग 120 किलोमीटर की यात्रा तय कर यहां पहुंचे और सीधे पुरानी जेल रोड स्थित अपनी दादी के घर गए, जहां उन्होंने उनसे मुलाकात की। उनके आगमन से पहले ही इलाके में सुरक्षा और यातायात की विशेष व्यवस्था की गई थी। जैसे ही उनके नवादा पहुंचने की खबर फैली, बड़ी संख्या में प्रशंसक उन्हें देखने के लिए वहां पहुंच गए। हाल के दिनों में ईशान किशन ने क्रिकेट में शानदार बल्लेबाजी प्रदर्शन किया है, जिसके कारण उनके प्रशंसक लगातार उनकी तारीफ कर रहे हैं। इस दौरान लोगों ने भारतीय क्रिकेट टीम की भी जमकर सराहना की।

पटना में महिला रोजगार मेला : 2000 महिलाओं को नौकरी का मौका, 16, 17 मार्च को बिहार सरकार का मेगा जॉब फेयर

एजेंसी। पटना

बिहार में नौकरी की तलाश कर रही महिलाओं को बड़ा मौका मिलने वाला है। बिहार सरकार दो दिनों का महिला रोजगार मेला आयोजित करने जा रही है। इस मेगा जॉब फेयर में करीब 2000 महिलाओं को रोजगार मिलने की संभावना जताई जा रही है। 16 और 17 मार्च को पटना के ज्ञान भवन में ये मेगा जॉब फेयर लगेगा। उयह रोजगार मेला राज्य सरकार के समाज कल्याण विभाग के अंतर्गत महिला एवं बाल विकास निगम की ओर से आयोजित किया जा रहा है। सरकार के मुताबिक इस मेले में 50 से अधिक राष्ट्रीय और बहुराष्ट्रीय कंपनियां हिस्सा लेंगी, जो विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं को नौकरी के अवसर प्रदान करेंगी।इस रोजगार मेले में भाग लेने वाली महिलाओं को आईटी, रिटेल, हेल्थकेयर, बैंकिंग, कस्टमर सर्विस, विनिर्माण और सर्विस सेक्टर जैसे कई क्षेत्रों में नौकरी के अवसर मिलेंगे। महिला एवं बाल विकास निगम के अंतर्गत चल रहे कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम और बिहार कौशल विकास मिशन से प्रशिक्षित महिलाओं को भी इस जॉब फेयर के माध्यम से बड़ी

कंपनियों से जुड़ने का अवसर मिलेगा। इस मेले की खास बात यह है कि इसमें शामिल होने वाली महिलाओं को सीधे कंपनियों के प्रतिनिधियों से मिलने का मौका मिलेगा। कंपनियों के अधिकारी मौके पर ही उम्मीदवारों का इंटरव्यू लेंगे और उनके कौशल, अनुभव और योग्यता के आधार पर चयन कर नौकरी का ऑफर भी देंगे। विभाग की ओर से बताया गया है कि जॉब फेयर में भाग लेने के लिए सीटें सीमित हैं। इसलिए इच्छुक महिला उम्मीदवारों को जल्द से जल्द महिला एवं बाल विकास निगम की आधिकारिक वेबसाइट wcdc.bihar.gov.in पर जाकर निशुल्क पंजीकरण कराने की सलाह दी गई है। इस रोजगार मेले में भाग लेने के लिए कुछ जरूरी पात्रताएं और दस्तावेज तय किए गए हैं। यह मेला सभी वर्गों की महिलाओं के लिए खुला है। लेकिन उनकी शैक्षणिक योग्यता 10वीं, 12वीं, स्नातक, तकनीकी डिग्री या आईटीआई होनी चाहिए। जबकि आयु सीमा 18 से 35 वर्ष के बीच होगी। इंटरव्यू के दौरान उम्मीदवारों को आधार कार्ड, बायोडाटा ,, शैक्षणिक प्रमाण पत्रों की कॉपी और पासपोर्ट साइज फोटो साथ लाना अनिवार्य होगा। राज्य सरकार का कहना है कि इस तरह के रोजगार मेले का उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना और उन्हें निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है।

पटना महावीर मंदिर में नैवेद्यम और दरिद्र नारायण भोज जारी रहेगा

गैस खत्म होने पर लकड़ी–कोयला से बनेगा प्रसाद

एजेंसी। पटना

इजराइल-ईरान युद्ध के कारण गैस संकट के बीच पटना के महावीर मंदिर में नैवेद्यम प्रसाद और दरिद्र नारायण भोज पर कोई असर नहीं पड़ेगा। गैस खत्म होने पर लकड़ी, कोयला, इंडक्शन और इलेक्ट्रिक चूल्हे से भोजन बनाया जाएगा। इजराइल-इरान युद्ध की आंच लोगों के रसोई तक पहुंच गयी है। रसोई गैस की किल्लत से लोग परेशान हैं। वही कॉमर्शियल गैस की बुकिंग पहले से ही पूरी तरह बंद कर दी गयी है। ऐसे में कई होटल बंद होने के कगार पर हैं। जाहिर सी बात है रसोई गैस मिलेगा ही नहीं तो खाना कैसे बनेगा? पटना के महावीर मंदिर में एक सप्ताह का स्टॉक बचा हुआ है। दरअसल महावीर मंदिर पटना में हर दिन दो बार निशुल्क दरिद्र नारायण भोज कराती है। वही नैवेद्यम प्रसाद भी बनाती है। ऐसे में सब काम सिलेंडर पर ही होता है। अभी तो हफ्तेभर का सिलेंडर स्टॉक है, लेकिन यदि स्थिति यही रही तो इस बात का ख्याल रखते हुए मंदिर प्रबंधन ने पहले से तैयारी कर ली है। प्रबंधन का कहना है कि गैस खत्म होगा हम लकड़ी और कोयला से काम चलाएंगे। ना तो नैवेद्यम प्रसाद के निर्माण में कोई कटौती होगी और ना ही सुबह और शाम गरीबों को कराये जाने वाले दरिद्र नारायण भोज पर कोई प्रभाव पड़ेगा। लकड़ी और कोयला के साथ-साथ हम इंडक्शन और इलेक्ट्रिकल चूल्हे का इस्तेमाल करेंगे। बता दें कि 27 मार्च को रामनवमी है, उस दिन महावीर मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है। पटना के महावीर मंदिर का नैवेद्यम काफी प्रसिद्ध है। जिसे प्रसाद के रूप में श्रद्धालु महावीर मंदिर में चढ़ाते हैं। रामनवमी पर इस प्रसाद की मांग काफी बढ़ जाती है। ऐसे समय में आई क्राइसिस से लड़ने के लिए हमने पूरी तैयारी कर रखी है। नैवेद्यम की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी और ना ही दरिद्र नारायण भोज पर कोई असर पड़ेगा। यहां से कोई भी व्यक्ति भूखे पेट नहीं जाएगा। बता दें कि महावीर मंदिर न्यास समिति अयोध्या में 'राम रसोई' चलाती है। अयोध्या आने वाले श्रद्धालुओं को खाना खिलाती है। इस सेवा को जारी रखने के लिए इलेक्ट्रिक कुकर, इंडक्शन और लकड़ी-कोयले के इस्तेमाल किया जा रहा है और खाना बनाया जा रहा है। राम रसोई में आज भी भंडारा चलाया गया जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने भोजन किया। अभी हर रोज तीन टाइम अयोध्या में आने वाले श्रद्धालुओं को दाल, चावल, सब्जी, रोटी, खिचड़ी, मिठाई खिलाया जा रहा है।

मधुबनी में बैंक कर्मी को गोली मारकर लूट की कोशिश, विरोध करने पर बदमाशों ने मारी गोली

एजेंसी। पटना

मधुबनी के राजनगर थाना क्षेत्र में अपराधियों ने बाइक सवार बैंक कर्मी ओम प्रकाश राय को गोली मारकर लूट की कोशिश की। घायल को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है, पुलिस मामले की जांच में जुटी है। बिहार के मधुबनी जिले के राजनगर थाना क्षेत्र के बेलहवार गांव में बेखौफ अपराधियों ने एक बैंक कर्मी को गोली मारकर लूट की वारदात को अंजाम दिया।मिली जानकारी के अनुसार बाइक सवार अपराधियों ने बैंक कर्मचारी की बाइक और बैग छीनने की कोशिश की। विरोध करने पर अपराधियों ने उन्हें गोली मार दी। गोली उनके दाहिने पैर में लगी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए।घायल की पहचान बाबूबरही थाना क्षेत्र के मुरहद्दी निवासी ओम प्रकाश राय के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वह बाबूबरही स्थित पीएनबी शाखा से मधुबनी जा रहे थे, तभी रास्ते में बदमाशों ने उन्हें निशाना बनाया।घटना के बाद घायल सड़क पर गिर पड़े। इसी दौरान वहां से गुजर रहे एक राहगीर ने उन्हें तुरंत मधुबनी सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज चल रहा है। घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी सत्येंद्र कुमार और सदर डीएसपी-2 मनोज कुमार अस्पताल पहुंचे और घायल से घटना की पूरी जानकारी ली। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और अपराधियों की तलाश की जा रही है। मधुबनी के राजनगर थाना क्षेत्र में अपराधियों ने बाइक सवार बैंक कर्मी ओम प्रकाश राय को गोली मारकर लूट की कोशिश की।